



दृष्टि समाचार

गाजियाबाद, नोएडा, दिल्ली, आगरा, मुरादाबाद, लखनऊ, मेरठ, बिजनौर एवं बुलन्दशहर में एक साथ प्रसारित

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



वर्ष : 05 अंक 60

गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025, गाजियाबाद।

RNI No. UPHIN/2021/82129

पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

तूफान मोन्था से तेलंगाना में तबाही

स्कूल डूबा, कार-ट्रक बहे, रेलवे स्टेशन पर पानी भरा, एक्सप्रेस ट्रेन को रोकना पड़ा

एजेंसी नई दिल्ली। चक्रवात मोन्था के आंध्र प्रदेश से टकराने के बाद तेलंगाना में तेज बारिश हुई। महबूबाबाद जिले के डोरनकल रेलवे स्टेशन पर पानी भर गया। गोलकुंडा और कोणार्क एक्सप्रेस को रोकना पड़ा। वहीं खम्मम जिले में एक लॉरी पानी के तेज बहाव में बह गई। नालगोंडा में एक स्कूल में पानी भर गया। बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। तूफान आज सुबह ओडिशा के गंजम पहुंचा। गंजम के समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं और हवा की रफ्तार 80-100kmph पहुंच गई है। IMD के मुताबिक लैंडफॉल के

बावजूद अगले 6 घंटों तक तूफान का असर रहेगा। ओडिशा के 8 जिले गंजम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट, मलकानगिरी, कंधमाल, कालाहांडी और नबरंगपुर में मोन्था के चलते भारी बारिश और आंधी चल सकती है। राज्य सरकार ने 11 हजार लोगों को निकाला है। 30 हजार लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाने की तैयारी है। ODRF की 30 टीम और NDRF की 5 टीमों को तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि तूफान मोन्था के कारण राज्य में दो लोगों की मौत हुई। उन्होंने कहा कि एहतियाती उपायों से नुकसान कम हुआ है। मंगलवार रात



में चक्रवात आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम तट से टकराया था। मंगलवार शाम 7.30 बजे से देर रात लगभग 1 बजे तक लगभग 5.30 घंटे लैंडफॉल चला। इस दौरान 90-100kmph की रफ्तार से हवा चली थी, जो कि 110kmph पहुंच गई। मछलीपट्टनम में कई जगह पेड़ गिरे, समुद्र



किनारे के मकान ढह गए। कई इलाकों में बिजली के तार टूट गए और पोल गिर गए। शहर की बिजली व्यवस्था ठप हो गई। कोनासीमा में घर पर पेड़ गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत हुई। एक दूसरी घटना में 2 अन्य लोग घायल हो गए। ओडिशा के गजपति में एक महिला ने मंगलवार को एक

बच्चे को जन्म दिया। परिवार और चिकित्सा कर्मचारियों ने तूफान से ही प्रेरणा लेकर शिशु का नाम मोन्था रखा है। एनडीआरएफ की टीमों ने मोन्था के लैंडफॉल के बाद मंगनापुड़ी और मछलीपट्टनम के बीच गिरे हुए पेड़ों और बिजली के खंभों को हटाकर रास्ता साफ किया। तेज हवाओं के कारण गुंटूर में कई पेड़ उखड़ गए। गुंटूर नगर निगम (GMC) के अधिकारी और पुलिस कर्मियों ने पेड़ों को हटाने और सड़कों को साफ करने का कार्य शुरू किया ताकि यातायात सुचारु रूप से चलता रहे। मुख्यमंत्री मोहन चरण मांडी ने मंगलवार को कहा कि आंध्र प्रदेश के तट पर आए भीषण चक्रवाती तूफान मोन्था से ओडिशा को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है।

राम मंदिर के लिए भक्तों ने दान किए तीन हजार करोड़ रुपये

एजेंसी अयोध्या। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया है कि रामभक्तों ने अब तक तीन हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि रामलला को समर्पित की है। राम मंदिर निर्माण के लिए देश भर के श्रद्धालुओं ने दिल खोलकर दान दिया है। 2022 के बाद भी कई भक्तों ने बड़ी धनराशि देकर रामलला के मंदिर निर्माण में सहयोग किया है। अब भवन निर्माण समिति ने फैसला किया है कि ऐसे सभी दानदाताओं को भी ध्वजारोहण कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक समस्तता की दृष्टि से ध्वजारोहण समारोह में छह हजार से अधिक



लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है लेकिन अब इसमें उन लोगों को भी शामिल किया जाएगा जिन्होंने 2022 के बाद योगदान दिया है। राम मंदिर निर्माण में योगदान देने वाली कंपनियों, सलायर्स और कार्यकर्ताओं का भी सम्मान किया जाएगा। 25 नवंबर के बाद राम मंदिर परिसर में एक वृहद आयोजन किया जाएगा, जिसमें इन सभी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने खुलासा किया कि अब तक लगभग 1500 करोड़ रुपये की बिलिंग हो चुकी है।

ट्रम्प बोले: मोदी सबसे अच्छे दिखने वाले इंसान

जल्द ही ट्रेड डील करेंगे, फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष खत्म कराने का दावा

एजेंसी नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे अच्छा दिखने वाला इंसान करार दिया है। ट्रम्प ने ये भी कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील जल्द होगी। ट्रम्प ने ये बातें बुधवार (29 अक्टूबर) को साउथ कोरिया में हो रही ऐक उएड समिट में कहीं। ट्रम्प ने अपने भाषण में भारत-पाकिस्तान तनाव का जिक्र किया। कहा कि जब दोनों देश लड़ रहे थे तो मैंने दोनों से जंग रोकने को कहा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने दोनों देशों पर 250% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसके दो दिन बाद दोनों ने फोन किया और सीजफायर पर सहमति जता दी। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भी तारीफ की। मुनीर को उन्होंने जबरदस्त फाइटर बताया। कॉमर्स



और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर बीते हफ्ते कहा था- भारत जल्दबाजी में सौदे और सिर पर बंदूक रखकर डील नहीं करता है। गोयल ने कहा कि किसी भी ट्रेड डील को लॉन्ग टर्म नजरिए से देखा जाना चाहिए। भारत कभी भी जल्दबाजी में या किसी आवेश में आकर फैसला नहीं करता है। हाई टैरिफ से निपटने के लिए भारत नए मार्केट की तलाश भी कर रहा है। अपनी शर्तों पर डील करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ट्रेड डील हमेशा लॉन्ग टर्म नजरिए से की जाती है।

अमेरिका चाहता है कि उसके डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, पनीर, घी को भारत में आयात की अनुमति मिले। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और इस सेक्टर में करोड़ों छोटे किसान लगे हुए हैं। भारत सरकार को डर है कि अगर अमेरिकी डेयरी उत्पाद भारत में आएं, तो वे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा धार्मिक भावना भी जुड़ी हुई है। अमेरिका में गावों को बेहतर पोषण के लिए जानवरों की हड्डियों से बने एजाइम (जैसे पेनेट) को उनके खाने में मिलाया जाता है। भारत ऐसे गावों के दूध को नॉन वेज मिलक यानी मांसाहारी दूध मानता है। भारत और अमेरिका का लक्ष्य 2030 तक दृष्टिकोण व्यापार को मौजूदा 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जुलाई 2025 में भारत का अमेरिका को निर्यात 21.64% बढ़कर 33.53 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 12.33% बढ़कर 17.41 अरब डॉलर रहा।

18 हथियारों के साथ माओवादियों ने किया सरेंडर

एजेंसी कांकिर। उत्तर बस्तर में सक्रिय रहे 21 माओवादियों ने 18 हथियारों के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। जंगलवार कॉलेज में सभी नक्सलियों का रेड कारपेट बिछाकर स्वागत किया गया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को बस्तर आईजी ने संविधान की प्रति सौंपी। नक्सलवाद के खामसे को लेकर जारी अभियान के बीच इस माह पुलिस ने अपनी रणनीति बदली है और एनकाउंटर की जगह समर्पण



को प्राथमिकता देते हुए नक्सलियों को साफ संदेश दिया गया था कि यदि आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा में लौटने को तैयार हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा। ऐसा नहीं करने पर सुरक्षाबलों की गोली का निशाना बना पड़ेगा। जिसका असर भी देखने को मिला और इसी माह 208 नक्सलियों ने 109 हथियारों के साथ जगन्नाथपुर में सेंडर किया, जिसके बाद कांकिर जिले के दो एरिया कमेटी ने आज एक साथ हथियार डाले हैं।

गाजियाबाद में महिला नेत्रियों पर हमले: क्या डराने की राजनीति हो रही है?

दृष्टि सागर अजय शर्मा

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश — राजनीति में सक्रिय महिलाओं के लिए सुरक्षा का सवाल एक बार फिर गंभीर हो गया है। हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वार्ड नंबर 9 की पार्षद शीतल देओल पर अज्ञात हमलावरों ने गोली चलाई। इससे पहले भाजपा की पूर्व महानगर अध्यक्ष और वरिष्ठ नेत्री पूनम कौशिक पर भी हमला हो चुका है। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या गाजियाबाद में महिला नेत्रियों को डराने की कोशिश की जा रही है ताकि वे सक्रिय राजनीति से दूर हो जाएं? पिछली घटनाओं की पृष्ठभूमि- पूनम कौशिक पर हुए हमले के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई थी। पुलिस ने कार्रवाई तो

की, लेकिन इसके बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली। अब शीतल देओल पर हुआ हमला यह दर्शाता है कि हालात अब भी चिंताजनक हैं। गाजियाबाद जैसे विकसित और राजनीतिक रूप से जागरूक शहर में महिला जनप्रतिनिधियों पर ऐसे हमले लोकतंत्र की नींव को कमजोर करने वाले संकेत हैं। क्या यह डराने की साजिश है? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जब भी कोई महिला नेता सक्रिय रूप से जनता के बीच काम करती है, तो कुछ स्वार्थी तत्वों को यह रास नहीं आता। ऐसे हमले और धमकियाँ कई बार राजनीतिक दबाव या स्थानीय वर्चस्व संघर्ष का परिणाम भी होती हैं। यदि इन घटनाओं के पीछे उद्देश्य महिलाओं को राजनीति से हतोत्साहित करना है,



तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा आघात है। महिलाओं की सुरक्षा और राजनीतिक सहभागिता- भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी लगातार बढ़ रही है, लेकिन सुरक्षा का अभाव आज भी एक बड़ी चुनौती है। स्थानीय निकायों से लेकर विधानसभाओं तक, महिलाएं न केवल निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया

में भाग ले रही हैं, बल्कि समाज में बदलाव की दिशा भी तय कर रही हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य और पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है। यदि समय रहते ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई नहीं होती, तो इससे समाज में भय और अविश्वास का वातावरण बन सकता है। राजनीतिक और

सामाजिक दृष्टिकोण से जरूरी कदम- 1. महिला जनप्रतिनिधियों के लिए विशेष सुरक्षा तंत्र विकसित किया जाए। 2. हर हमले या धमकी की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो। 3. राजनीतिक दलों को भी अपने स्तर पर महिला कार्यकर्ताओं की सुरक्षा नीति बनानी चाहिए। 4. मीडिया और नागरिक समाज को इन मुद्दों को लगातार उठाते रहना चाहिए ताकि दबाव बना रहे। गाजियाबाद की घटनाएँ सिर्फ स्थानीय नहीं हैं; वे उस मानसिकता का प्रतीक हैं जो राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भूमिका से असहज है। अब वक्त आ गया है कि इन घटनाओं को व्यक्तिगत हमले न मानकर लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमले के रूप में देखा जाए। जब तक हर महिला सुरक्षित नहीं है, तब तक राजनीति में समान सहभागिता की बात अधूरी ही रहेगी।

UPTO 100% SCHOLARSHIP

25 YEARS OF EXCELLENCE IN EDUCATION

Strong Alumni Network & more.

High Qualified
Experienced and dedicated faculty members drawn from industry and academia.

Additional and add-on
Certification courses in emerging areas for enhanced skills and employability.

50+ Programmes

25+ Acre Lush Green Eco-friendly Campus

Rich Library with a strong reference collection

Start-up and Entrepreneurship Development Cell

Job oriented value added programme

Regular Mock Court Session

Wi-Fi Smart Campus
Functional Legal Aid Centre
Dedicated Career Counselling Team
Sports Recreational Facility

MAHAVEER UNIVERSITY

LEARNING WITHOUT LIMIT

Faculty of Ayurveda-BAMS
Faculty of Pharmacy-D.Pharm.
B.Pharm.
M.Pharm. (Lateral Entry)
M.Pharm. (Pharmaceutical Chemistry, Pharmacovigilance)
Faculty of Sciences-B.Sc. (ZBC)
B.Sc. (PCM)
M.Sc. (Maths, Chemistry, Physics, Zoology & Botany)
Faculty of Library Science-B.Lib.Sc. | M.Lib.Sc.
Faculty of Commerce & Management-B.Com. | M.Com. | BBA | MBA
Faculty of Computer Application-BCA | MCA | B.Sc. (IT, Data Science, Cyber Security)
Faculty of Nursing-ANM | GNM | B.Sc. (Nursing)

Faculty of Engineering & Technology-B.Tech. (ME, CSE, EE, CE, ECE, EEE)
B.Tech. (ME, CSE, EE, CE, ECE, EEE) Lateral Entry
M.Tech. (CSE, ME, CE)
Polytechnic (ME, CSE, EE, CE, ECE, EEE)
Polytechnic (ME, CSE, EE, CE, ECE, EEE) Lateral Entry
Faculty of Agricultural Sciences-B.Sc. (Hons.) Agriculture | M.Sc. (Ag.) Agronomy
Faculty of Education-B.A.B.Ed. | B.EL.Ed. | D.EL.Ed. | B.Ed. | M.Ed.
Faculty of Arts & Humanities-B.A. | M.A.
Faculty of Paramedical & Allied Health Sciences-BPT*
Faculty of Legal Studies-B.A. LL.B. | B.Com. LL.B. | LL.B. | LL.M.
Faculty of Naturopathy and Yogic Science-B.N.Y.S (Bachelor in Naturopathy and Yogic Science)

Ph.D Program
• Faculty of Arts & Humanities
• Faculty of Legal Studies
• Faculty of Computer Application
• Faculty of Commerce & Management
• Faculty of Library Science
• Faculty of Sciences
• Faculty of Education
• Faculty of Engineering & Technology
• Faculty of Agricultural Sciences

ADMISSIONS OPEN 2025 - 26

25 Glorious Years of Shaping Bright Futures

2000 2010 2020 2025

With years of excellence, the Mahaveer Group has evolved from a modest college into a distinguished university—driven by vision, innovation, and academic rigor. This remarkable journey stands as a testament to its legacy of growth, leadership, and an unwavering commitment to shaping future-ready minds.

For More Information of Ph.D Call:- 9045654405

For the complete list of programmes offered visit: www.mvu.edu.in

Toll Free: 1800 313 3742 | 9557928862/66

Email: info@mvu.edu.in

Campus : Pohalli, Sardhana Road, Meerut (U.P.) - 250341

FOLLOW US

SCAN HERE

अश्वनी शर्मा को जन्मदिवस पर गणमान्य लोगों ने दी शुभकामनाएं

दृष्टि सागर
गाजियाबाद। वरिष्ठ समाजसेवी एवं युवाओं के लोकप्रिय **अश्वनी शर्मा** (संस्थापक अखंड भारत मिशन एवं अध्यक्ष क्रीडा भारती, गाजियाबाद महानगर) के जन्मदिवस पर शहर की गणमान्य हस्तियों ने उनके निवास एवं कार्यालय पहुंचकर उनको शुभकामनाएं दी।

दैनिक दृष्टि सागर परिवार
की तरफ से **अश्वनी शर्मा** को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं

अश्वनी शर्मा को जन्मदिवस पर गणमान्य लोगों ने दी शुभकामनाएं

दृष्टि सागर
गाजियाबाद। वरिष्ठ समाजसेवी एवं युवाओं के लोकप्रिय **अश्वनी शर्मा** (संस्थापक अखंड भारत मिशन एवं अध्यक्ष क्रीडा भारती, गाजियाबाद महानगर) के जन्मदिवस पर शहर की गणमान्य हस्तियों ने उनके निवास एवं कार्यालय पहुंचकर उनको शुभकामनाएं दी।



पटाखे चलाते समय हुए विवाद में गोलियां चलाने के दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के केशव पुरम इलाके में दिवाली की रात पटाखे फोड़ते समय हुए विवाद के दौरान 26 वर्षीय एक व्यक्ति पर गोलियां चलाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी अविनाश उर्फ ?२टोनी (21) और सनी उर्फ ?२रफ्तार (24) को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि घटना लॉरेंस रोड पर हुई, जहां पौडित भानु अपनी दादी से मिलने गया था। अधिकारी ने बताया कि घटना देर रात करीब एक बजे हुई जब आरोपी कथित तौर पर नशे की हालत में थे और सार्वजनिक जगह पर पटाखे फोड़ रहे थे। उन्होंने बताया, जब भानु और उसके दोस्तों ने इसका विरोध किया तो झगड़ा शुरू हो गया। इस दौरान आरोपियों ने कई राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से एक भानु के पेट में लगी और उसे भगवान महावीर अस्पताल ले जाया गया। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया और अपराधियों का पता लगाने के लिए पुलिस की एक टीम गठित की गई। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान अविनाश और सनी ने अपने साथी जीशान के साथ गोलीबारी की घटना में शामिल होने की बात कबूल कर ली। जीशान अभी फरार है। अविनाश की निशानदेही पर अपराध में प्रयुक्त एक पिस्तौल जब्त कर ली गई है। अधिकारियों ने बताया कि जीशान को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली के एक्‍यूआई में थोड़ा सुधार हुआ, लेकिन वायु गुणवत्ता अब भी ‘खराब’

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में बुधवार सुबह थोड़ा सुधार हुआ लेकिन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्‍यूआई) 273 यानी ‘खराब’ श्रेणी में दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने यह जानकारी दी। शहर में मंगलवार को अपराह्न चार बजे एक्‍यूआई 294 दर्ज किया गया था। यह सोमवार को दर्ज 301 एक्‍यूआई से थोड़ा कम है, जो ‘बहुत खराब’ श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के ‘समीर’ ऐप के आंकड़ों से पता चलत है कि समग्र सुधार के बावजूद दिल्ली के 38 निगरानी स्टेशनों में से 11 में एक्‍यूआई 300 से ऊपर के स्तर पर दर्ज किया गया जो ‘बहुत खराब’ श्रेणी में है। सीपीसीबी के अनुसार, शूर्य से 50 के बीच एक्‍यूआई को ‘‘ अच्छा ’’, 51 से 100 के बीच को ‘‘संतोषजनक’’, 101 से 200 के बीच को ‘‘ मध्यम ’’, 201 से 300 के बीच को ‘‘ खराब ’’, 301 से 400 के बीच को ‘‘ बहुत खराब ’’ और 401 से 500 के बीच को ‘‘भीमर’’ माना जाता है। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक है। अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। आईएमडी ने बुधवार को शहर में हल्का कोहरा छाप रहने का अनुमान जताया है। उसने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 89 प्रतिशत दर्ज की गयी।

दिल्ली के न्यू उस्मानपुर में वांछित अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद एक वांछित अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान इमरान उर्फ काला (21) के रूप में हुई है और उसे नियमित जांच अभियान के दौरान देर रात करीब दो बजे जीरो पुरता के पास रोका गया। अधिकारी ने कहा, ‘जब रुकने का इशारा किया गया, तो बिना पंजीकरण संख्या वाली मोटरसाइकिल पर आ रहे इमरान ने कथित तौर पर पिस्तौल निकाली और पुलिस टीम पर गोलियां चला दीं।’ पुलिस ने कहा कि आरोपी ने भागने की कोशिश करते हुए फिर से गोली चलाई, जिसके बाद पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की। अधिकारी के मुताबिक पुलिस कर्मियों ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली आरोपी के बाएं पैर में लगी। अधिकारी ने बताया कि उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और जांच जारी है।

मध्य दिल्ली में कार की चपेट में आने से एक महिला की मौत, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य दिल्ली में आईपी एस्टेट के पास एक महिला को अपनी कार से कुचल देने के आरोप में 46 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि महिला को लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। उसने बताया कि आरोपी खुशीपाल तोमर एक विज्ञापन एजेंसी में काम करता है और घटना के समय वह उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में अपने पैतृक स्थान जा रहा था। पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वालसन ने कहा, ‘‘ 25 अक्टूबर को दोपहर करीब ढाई बजे यमुना ब्रिज के पास एक सफेद कार ने इस महिला को टक्कर मार दी और भाग गई। ’’ उन्होंने कहा कि पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन उसे कोई चरमदीद नहीं मिला और फिर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गयी। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान, सचिवालय भवन की ओर भागती हुई एक सफेद कार का पता चला। सचिवालय गेट के पास लगे सीसीटीवी फुटेज से गाड़ी की पुष्टि हुई, लेकिन उसकी नंबर प्लेट स्पष्ट नहीं थी। जांच करने पर रजिस्ट्रेशन नंबर की पहचान हो गई। पुलिस के मुताबिक, यह वाहन दरियागंज के ‘तोमर’ के नाम पर पंजीकृत पाया गया, जो हाल में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएमसी) परिसर में स्थानांतरित हुआ था। पुलिस ने सोमवार को तोमर का पता लगाया और उसे कार के साथ पकड़ लिया। पूछताछ में उसने कथित तौर पर दुर्घटना के समय कार चलाते और डर के मारे मौके से भागने की बात कबूल की। पुलिस के अनुसार कार जब्त कर ली गयी है। मृत महिला की शिनाख्त के लिए जांच-पड़ताल की जा रही है तथा कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

दिल्ली में पकड़ी 27 करोड़ की ड्रगः बर्खास्त कस्टम अधिकारी था सप्लायर, थाईलैंड-UAE से कनेक्शन, ऐसे घुमाते रकम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने भारत, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में फैले एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह को भंडाफोड़ करते हुए एक बर्खास्त सीमा शुल्क (कस्टम) अधिकारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके कब्जे से 21 किलोग्राम से अधिक उच्च गुणवत्ता वाली ‘हाइड्रोक्विकल मारिजुआना’ जब्त की है। बरामद ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 27 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपी के पास से 44.42 लाख रुपये नकद, एक एसयूवी कार और एक स्कूटर भी जब्त किया है। ये सब मादक पदार्थों की ब्रिकी से आई रकम से खरीदा गया है।

अपराध शाखा के उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान 35 वर्षीय रोहित कुमार शर्मा के रूप में हुई है। वह केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) में इस्पेक्टर रह चुका है। उसे दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के जनकपुरी क्षेत्र में देर रात हुई कार्रवाई के दौरान पकड़ा गया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि सूचना के आधार पर 13 और 14 अक्टूबर की दरभंगानी रात को जनक सिनेमा के पास जात बिछाया गया था। पुलिस ने रोहित कुमार शर्मा को उस समय पकड़ लिया जब वह ओशन-ग़ोउन वीड यानी हाइड्रोपैनिक मारिजुआना की एक बड़ी खेप सीपाने जा रहा था।

पुलिस के अनुसार इसके कब्जे से 21.512 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ उसके कब्जे से बरामद किया गया। हाइड्रोपैनिक मारिजुआना एक दुर्लभ और महंगी किस्म है, जिसे वैज्ञानिक विधियों से उगाया जाता है और इसमें सामान्य केनाबिस की छलना में 10 गुना अधिक टीएएससी (टीएचसी) पाया जाता है। यह आमतौर पर उच्च आय वर्ग और पार्टी सॉकिल में लोकप्रिय है तथा थाईलैंड से अंतरराष्ट्रीय पारसल मार्गों से भारत में तस्करी की जाती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री ले रखी है-

आरोपी रोहित कुमार शर्मा ने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री ले रखी है और वर्ष 2015 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग में शामिल हुआ था। हालांकि 2019 में केरल के कन्नूर हवाईअड्डे पर तेजाती के दौरान उसे सोने की तस्करी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में राजस्व खुफिया निदेशालय ने उसे एनबीएपीएर अधिनियम के तहत भी आरोपी बनाया। विभागीय जांच के बाद शर्मा को वर्ष 2023 में नौकरी से निकाला गया।

क्लाउड सीडिंग पर सियासत: ‘जनता के 3.5 करोड़ बर्बाद’, ‘आप’ का निशाना; कांग्रेस बोली- सीएम का प्रचार पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की हवा को साफ करने के लिए सरकार ने वैज्ञानिक प्रयासों के तहत दो लगातार क्लाउड सीडिंग प्रयोग किए, लेकिन फिलहाल बारिश कराने में सफलता नहीं मिल सकी है। अब आईआईटी कानपुर की टीम ने अगला प्रयोग तब तक रोकने का निर्णय लिया है, जब तक वातावरण में पर्याप्त नमी यानी करीब 50 फीसदी से अधिक न हो जाए।

आईआईटी कानपुर ट्रायल रोक

आईआईटी कानपुर ने मंगलवार को प्रस्तावित अगली क्लाउड सीडिंग गतिविधि को अपर्याप्त नमी के कारण रोक दिया। संस्थान ने कहा कि मंगलवार का ऑपरेशन स्थगित किया गया क्योंकि बादलों में सिर्फ 15 से 20 फीसदी नमी थी। क्लाउड सीडिंग पूरी तरह मौसम की अनुकूलता पर निर्भर करती है और बिना नमी के इससे बारिश संभव नहीं है। फिलहाल इस कार्रवाई में परीक्षणों से मिले आंकड़े काफी उपयोगी रहे। क्लाउड सीडिंग से भले बारिश नहीं हुई, लेकिन वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार जरूर दिखा।

दिल्ली के पर्यावरण विभाग ने बताई वजह

पर्यावरण विभाग के मुताबिक दिल्ली के 20 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में गिरावट दर्ज की गई। मयूर विहार, करोल बाग और बुराड़ी में पीएम 2.5 क्रमशः 221, 230 और 229 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से घटकर 207, 206 और 203 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रह गया। वहीं पीएम 10 का स्तर 207, 206 और 209 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से घटकर 177, 163 और 177 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक आ गया। अधिकारियों का कहना है कि हवा की गति बहुत कम थी, इसलिए यह कमी बादलों में छोड़े गए कणों के असर से आई, जिनसे धूल नीचे बैठ गई।

बारिश नहीं हुई लेकिन उम्मीदें बढ़ीं- आईआईटी

आईआईटी कानपुर की ओर से आए एक

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि, हालांकि बारिश नहीं हो सकी, लेकिन दिल्ली में लगाए गए मॉनिटरिंग स्टेशनों से जो डेटा मिला, उसने उम्मीद बढ़ाई है। आंकड़ों में पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में 6 से 10 फीसदी तक कमी दर्ज की गई। इसका मतलब है कि सीमित नमी में भी क्लाउड सीडिंग हवा की गुणवत्ता सुधारने में मददगार हो सकती है। ये नतीजे हमें भविष्य के लिए बेहतर योजना बनाने में मदद देंगे।

वैज्ञानिक प्रयोग से मिले नए अनुभव

दिल्ली सरकार ने कहा है कि मंगलवार के प्रयोग के बाद पूर्वी दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर 0.1 से 0.2 मिमी की हल्की फुहार दर्ज हुई, जिसे सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। हर प्रयोग उन्हें यह समझने में मदद कर रहा है कि असल वातावरण में कितनी कृत्रिम बारिश संभव है। अधिकारियों ने कहा है कि अब आगे की कोशिशें मौसम की स्थिति देखकर ही की जाएंगी। सरकार का मानना है कि तकनीक को पूरी तरह समझना जरूरी है, ताकि किसी दूसरे देश की तरह गड़बड़ी न हो, जैसे दुबई में क्लाउड सीडिंग के बाद अचानक आई बाढ़ ने नुकसान पहुंचाया था।

क्लाउड सीडिंग को फिर से समझें

यह एक वैज्ञानिक तरीका है, जिसमें विमान से बादलों में सिल्वर आयोडाइड या सोडियम क्लोराइड जैसे कण छोड़े जाते हैं। ये कण जलकण बनने की प्रक्रिया को बढ़ते हैं, जिससे पर्याप्त नमी होने पर बारिश होती है। सही बादलों का चयन, समय और निगरानी इसकी सफलता तय करते हैं। एक बार क्लाउड सीडिंग करने का खर्च करीब 30 से 35 लाख रुपये आता है। दिल्ली सरकार ने आईआईटी कानपुर के साथ 5 परीक्षण करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके लिए कुल 3.21 करोड़ रुपये बजट तय है। दिल्ली सरकार की ओर से कहा गया है कि क्लाउड सीडिंग दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी रखा गया है और जनता को नियमित

रूप से जानकारी दी जा रही है।

कांग्रेस ने रेखा गुप्ता सरकार पर निशाना साधा

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार का क्लाउड सीडिंग का दूसरा प्रयास भी विफल साबित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिर्फ बयानबाजी और प्रचार पर ध्यान दे रही हैं, जबकि प्रदूषण, सफाई और यमुना की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में वायु और जल प्रदूषण के हालात चिंताजनक हैं, लेकिन सरकार केवल क्लाउड सीडिंग जैसे दिखावावी प्रयोगों पर करोड़ों रुपये बर्बाद कर रही है। उन्होंने बताया कि हाल के प्रयोग पर 3.21 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो केवल 30 मिमिट की उड़ान और सिल्वर आयोडाइड के छिड़काव तक सीमित था। इसके बावजूद सरकार इसे सफलता बताने की कोशिश कर रही है, जबकि न तो प्रदूषण में कोई कमी आई और न ही हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा से पहले आम आदमी पार्टी की सरकार ने भी कृत्रिम वर्षा कराने की योजना बनाई थी, जिसे भाजपा ने भ्रष्टाचार बताकर रद्द किया था। लेकिन अब वही प्रयोग भाजपा सरकार ने दोबारा शुरू किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेखा गुप्ता सरकार अपने केन्द्रीय नेतृत्व को खूश करने के लिए जनता के पैसे से असफल प्रयोग दोहरा रही है।

देवेन्द्र यादव ने सवाल उठाया कि जब प्रदूषण का मुख्य कारण वाहनों का धुआं, धूल और औद्योगिक उत्सर्जन है, तो सरकार इन मोर्चों पर ठोस कदम क्यों नहीं उठा रही। यादव ने कहा कि विशेषज्ञों की चेतावनियों और पर्यावरणीय शर्तों को नजरअंदाज कर क्लाउड सीडिंग कराना न केवल जनता के पैसों की बर्बादी है, बल्कि यह दिखाता है कि रेखा गुप्ता सरकार के पास प्रदूषण नियंत्रण की कोई ठोस नीति नहीं है।



दिल्लीवालों को गुमराह और 3.5 करोड़ रुपये बर्बाद करने का लगाया आरोप

राजधानी में प्रदूषण कम करने के लिए भाजपा सरकार ने कराई क्लाउड सीडिंग योजना को आम आदमी पार्टी ने पूरी तरह फेल करार दिया है। आप ने तीखा हमला बोलते हुए इसे भाजपा सरकार का महाघोटाला और जनता के पैसे की बर्बादी बताया। आप नेताओं ने कहा कि जब केंद्र की भाजपा सरकार की तीन प्रमुख एजेंसियां सीपीसीबी, आईएमडी और सीएक्व्यूएम ने पहले ही दिल्ली में सर्दियों के दौरान कृत्रिम वर्षा संभव नहीं होने के बारे में बोल दिया था, तो मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने 3.5 करोड़ रुपये खर्च कर क्लाउड सीडिंग का ड्रामा क्यों किया?

क्लाउड सीडिंग पर आप ने भाजपा सरकार पर हमला बोला

आप के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने प्रेसवार्ता में कहा कि भाजपा सरकार ने जनता को धोखा दिया है। भाजपा की केंद्र सरकार ने संसद में कहा था कि दिल्ली में क्लाउड सीडिंग व्यावहारिक नहीं है। फिर भी रेखा गुप्ता सरकार ने वैज्ञानिकों की राय को दरकिनार कर दिल्लीवालों का पैसा उड़ाया। जब बादल खुद बारिश कर सकते हैं तो रासायनिक छिड़काव क्यों? यह जनता के टेक्स के पैसे पर किया गया संकस है। भारद्वाज ने बताया कि भाजपा सरकार ने दिवाली के अगले दिन कृत्रिम वर्षा कराने की घोषणा की थी, लेकिन बार-बार तारीख बदलने के बाद 28 अक्टूबर को छठ पर्व के दौरान जब बादल िरे दिखे, तो सरकार ने जल्दबाजी में क्लाउड सीडिंग कर दी, फिर

धड़खड़ 100 दिनों से खामोश हैं, उनका विदाई समारोह भी नहीं हुआ : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को अपने पद से इस्तीफा दिए 100 दिन बीत गए हैं, लेकिन वह अब तक खामोश हैं और उनका विदाई समारोह भी नहीं हुआ है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक बार यह दावा किया था कि धनखड़ को त्यागपत्र देने के लिए मजबूर किया गया था। धनखड़ ने इस साल संसद के मानसून सत्र की शुरुआत में ही स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद हुए चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन नए उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए। रमेश ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, ‘भारतीय राजनीति के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना को घटित हुए टीक 100 दिन हो गए हैं। 21 जुलाई की देर रात अचानक और आश्चर्यजनक रूप से, भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया था। उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया था, भले ही उन्होंने दिन-ब-दिन प्रधानमंत्री की प्रशंसा की हो। उन्होंने कहा, ‘रोजाना सुर्खियों में रहने वाले पूर्व उप राष्ट्रपति 100 दिनों से बिल्कुल खामोश हैं। रमेश ने कहा, ‘राज्यसभा के सभापति के रूप में पूर्व उप राष्ट्रपति विपक्ष के अच्छे मित्र नहीं थे। वह लगातार और गलत तरीके से विपक्ष की खिचाई करते रहते थे। फिर भी, लोकतांत्रिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए, विपक्ष कहता रहा है कि वह कम से कम अपने सभी पूर्ववर्तियों की तरह विदाई समारोह के हकदार हैं। ऐसा नहीं हुआ है।’

अंतरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में शामिल होंगे मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के मौके पर यहां आयोजित अंतरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को शुक्रवार को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में भारत और विदेशों में स्थित आर्य समाज की इकाइयों के प्रतिनिधि जुटेंगे और महर्षि दयानंद के सुधारवादी आदर्शों और संगठन की वैश्विक पहुंच प्रदर्शित होगी। इस महासम्मेलन में ‘सेवा के 150 स्वरणिम वर्ष’ शीर्षक से एक प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी, जिसमें शिक्षा, समाज सुधार और आध्यात्मिक उत्थान में योगदान के माध्यम से आर्य समाज की परिवर्तन की यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा। सम्मेलन महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती और आर्य समाज की सेवा के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित ज्ञान ज्योति महोत्सव के तहत आयोजित किया जा रहा है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इसका उद्देश्य महर्षि दयानंद सरस्वती की सुधारवादी और शैक्षिक विरासत के प्रति सम्मान जताना, शिक्षा, समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण में आर्य समाज की 150 वर्षों की सेवा का उत्सव मनाना है।

दिल्ली में बढ़ता कार क्लोनिंग रैकेट- चोरी, नकली कागजात और डिजिटल धोखाधड़ी का नया खेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कार चोरी का एक नया तरीका सामने आया है, जिसमें पुराने जमाने की चोरी के साथ आधुनिक टेक्नोलॉजी का तड़का लगा है। पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो गाड़ियां चुराकर उनके नकली कागजात बनाता था, असली वाहनों की पहचान क्लोन करता था और फिर इन कारों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या डीलरों के जरिए बेच देता था।

कैसे खुला रैकेट का राज

दिल्ली पुलिस की फ़ाइम ब्रांच ने जांच तब शुरू की जब एक प्रीओन्ड (सेकंड हैंड) कार कंपनी ने अपनी टेक-ड्रिवन सेलिंग प्लेटफॉर्म पर पांच सफ़िथ ट्रॉजेंक्शन की रिपोर्ट की। कंपनी की जांच में पता चला कि तीन कारें उनके रिजल्ट सेंटर में मिलीं और दो अन्य पार्टनर डीलरों के पास बेची गईं, जो किसभी नकली कागजात के साथ थीं।

गिरोह का काम करने का तरीका

कंपनी की ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि यह गिरोह अलग-अलग राज्यों में फैला हुआ है। उनका तरीका बेहद संगठित था। पहले वे किसी कार को चुराते, फिर उसी मॉडल, रंग और वेरिएंट की दूसरी असली कार



की डिटेल्स निकालते। इसके बाद चोरी की कार में असली जैसी चेसिस प्लेट लगाई जाती, गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर बदला जाता और नकली कागजात तैयार किए जाते थे। जिनमें आरसी, आधार कार्ड, पैन कार्ड और फाइनेंस कंपनियों के फर्जी एनओसी तक शामिल होते।

ऐसी नकल कि असली लगे

कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक, इनके बनाए नकली दस्तावेज इतने सटीक थे कि जब उन्हें सरकारी पोर्टल या डेटाबेस में चेक किया गया, तो पूरी तरह असली

दिखे।- यानी सामान्य वेरिफिकेशन में धोखाधड़ी पकड़ना लगभग नामुमकिन था।

बैंक अकाउंट भी फर्जी पहचान से खोले गए

जांच में यह भी सामने आया कि इन गाड़ियों की खरीद-बिक्री के लिए जो बैंक अकाउंट इस्तेमाल किए गए, वे भी फर्जी दस्तावेजों से खोले गए थे। और इसमें कुछ बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत की भी आशंका है। जैसे ही सारे कागज तैयार हो जाते, चोरी की गाड़ियां कंपनी के प्लेटफॉर्म या दूसरे डीलरों के जरिए बेची जातीं।

जेएनयूएसयू चुनाव अधिसूचना पर विवाद, आंतरिक शिकायत समिति के सदस्य चुनाव लड़ने के नहीं होंगे पात्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्र संघ चुनाव के लिए डीन छात्र कार्यालय की ओर से जारी एक अधिसूचना को लेकर विवाद हो गया है। अधिसूचना के अनुसार आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के छात्र सदस्य चुनाव लड़ने के पात्र नहीं होंगे। इसको लेकर वामपंथी छात्र संगठन द्वारा समर्थित जेएनयू छात्र संघ के पदाधिकारियों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

अधिसूचना के खिलाफ मंगलवार को डीन छात्र कार्यालय पर प्रदर्शन कर विरोध दर्ज करवाया गया। जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि डीओएस ने यह

अधिसूचना सोमवार को नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद वेबसाइट पर जारी की। वहीं, अधिसूचना पर तारीख का विवरण 24 अक्टूबर है। अचानक इस अधिसूचना के जारी होने से वामपंथी संगठनों द्वारा संयुक्त तौर पर चुनाव के लिए मैदान में उतारे अध्यक्ष पद के उम्मीदवार की दावेदारी को नियम की आड़ में निशाना बनाया जा सकता है।

प्रशासन पर पक्षपात के आरोप

वहीं, उम्मीदवार 23 अक्टूबर को आईसीसी सदस्य के पद से इस्तीफा दे चुका है। इस मामले पर डीन ऑफ स्टूडेंट्स से भी मुलाकात की गई। हालांकि, उन्होंने कोई संतुष्टि भरा

जवाब नहीं दिया उल्टा नियमों का हवाला दिया गया। अगर हमारे उम्मीदवार के नामांकन पर कोई कार्रवाई की जाती है तो इस अधिसूचना के खिलाफ कोर्ट जाएंगे। जेएनयू छात्र संघ की उपाध्यक्ष मनीषा ने कहा कि डीन छात्र कार्यालय एबीवीपी के इशारे पर काम कर रहा है।

एबीवीपी को फायदा पहुंचाने के लिए यह अधिसूचना जारी हुई। छात्र संघ के चुनाव में प्रशासन नियमों के नाम पर हस्तक्षेप कर रहा है। इसका पुरजोर विरोध करते हैं। नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अचानक से वेबसाइट पर अधिसूचना जारी करना नियमों के खिलाफ है। वर्ष 2024 में भी महासचिव पद की उम्मीदवारी को

रातोंरात प्रशासन ने रद्द कर दिया था।

2017 से है नियम डीन ऑफ स्टूडेंट्स

इस संबंध में डीन ऑफ स्टूडेंट्स मनुमंथा चौधरी ने कहा कि पहली बार आईसीसी और जेएनयू छात्र संघ के चुनाव एक साथ आयोजित किए जा रहे हैं। 2017 में जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट लिखा है कि आईसीसी का सदस्य जेएनयू छात्र संघ और जेएनयू छात्र संघ का सदस्य आईसीसी का चुनाव नहीं लड़ सकता है।

इस नियम को सोमवार को वेबसाइट पर डाला गया है। शुक्रवार को ही अधिसूचना पर हस्ताक्षर कर दिए गए थे। अधिक काम होने की वजह से इसे



अपलोड नहीं किया गया। छात्रों के नामांकन हमारे पास नहीं आते हैं। छात्र संघ का चुनाव चुनाव समिति संयोजक

करता है। वहीं, आईसीसी का चुनाव प्रशासन करता है।

A portrait of Dr. Anand Kumar, a man with dark hair and a mustache, wearing a light blue jacket over a dark shirt. He is smiling slightly and looking towards the camera. The background is a blurred green outdoor setting.

ललित गर्ग

जानेश कुमार की यह पहल केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति में नवीनीकरण का संदेश है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास की परीक्षा भी है। यदि यह अभियान ईमानदारी और जनसहभागिता के साथ पूरा होता है, तो यह भारत के लोकतंत्र को और परिपक्व बनाएगा। अब जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग की नहीं, बल्कि हर नागरिक और राजनीतिक दल की भी है कि वे इस सुधारत्मक पहल का स्वागत करें और लोकतंत्र के इस महापर्व को निष्कलंक बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष दृष्टान्त पुरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत करने की घोषणा करके चुनाव विसंगतियों एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है। यह पहल न केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है। लोकतंत्र व आत्मा उसके निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है। सकारण आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सांक्रामिक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जलजबाजी और अफराफरी से बचा जा सके। आधार काजी की एक सहायक दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी।

निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बढ़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वेदों जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिष्टतन्त्र का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुदुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुदुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होंगे हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन इनसे दूसरे चरण से बाहर रहना गया। आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्यूमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुँच में हों और आधार आज पंधकान का सबसे सरल जरिया है।

मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता



लोकतंत्र की रीढ़ है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिए एक निश्चित अन्तराल के बाद ऐसआईआर की प्रक्रिया होना रहना अपेक्षित है। इसके पहले ऐसआईआर करीब दो सप्ताह पहले किया गया था। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसआईआर में इतना अन्तराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी-पेशा के चलते अन्यत्र चले जाते हैं। इनमें से अधिकांश वहीं बस जाते हैं। कई बार देखा गया है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहते हैं, वहीं नये पात्र नागरिकों के नाम दर्ज नहीं होते। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक, इस विचलित के चलते मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है और चुनावी परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगता है। ऐसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता व कर्ना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहल-इन खामियों को दूर करने की दिशा में एक संगठित और वैज्ञानिक लोकांतरण प्रयास है। यदि यह कार्य धरातल पर ईमानदारी से लागू हुआ, तो यह मतदाता सूची की पवित्रता और लोकतंत्र की गरिमा दोनों को बढ़ाएगा।

भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये यह बहुत जरूरी है, इसके लिए राजनैतिक दलों की भूमिका एवं सहयोग अपेक्षित है, वे इस प्रक्रिया को सकारात्मक दृष्टि से

तो। इस साराहनीय एवं नितांत अपेक्षित उपक्रम के लिये विपक्षी दलों के द्वारा विरोध का वातावरण बनाया एवं आस्तीन में बढ़ाया उनका विश्ववर्षनीयता एवं जिम्मेदारी पर प्रश्न खड़ा करता है। अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव आयोग सुधारणात्मक कदम उठाता है, तो विभिन्न राजनीति दल अपने-अपने हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। परंतु लोकतंत्र का स्वास्थ्य तब ही सुदृढ़ होगा जब सभी दल 'पारदर्शिता' को 'राजनीतिक लाभ-हानि' से ऊपर रखेंगे। विपक्ष को चाहिए कि वह इस पहल का विरोध करने की बजाय स्वागत करे और इसे सही दिशा में लाने के लिये सहयोग दे, न कि शंका और अविवशान के चश्मे से देखे। बहरहाल, राजनीतिक पाठियों की यह महती जिम्मेदारी है कि वे प्रत्येक दोषागोचर करने तक सीमित न रहें, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदारियाँ निभाएँ। इसी तरह, नागरिक संगठनों के लिए भी यह सक्रिय होने का समय है। उनकी निगरानी बॉलप्ले के काम को अधिक सरल व सटीक बना सकती है। कुल मिलाकर पूरे देश में एक साथ चुनाव करने का सपना दिखाने वाले चुनाव आयोग के सामने अभी अपनी इस प्राथमिक जिम्मेदारी को ही निर्विवाद रूप से पूरा करने की चुनौती है।

संपादकीय

एसआईआर के विरोधाभास

नुवान आयोग ने 12 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में मतदाता सूचियों का विश्लेषण गहन पुरीक्षण (एसआईआर) का कार्यक्रम घोषित किया है। अंतिम एसआईआर 2002-04 में किया गया था। लंबे 21 सालों के बाद यह अभियान छोड़ा गया है, जाहिर है कि मतदाताओं की संख्या, छंटनी, पात्रता आदि में व्यापक परिवर्तन आए होंगे। एसआईआर के दूसरे चरण में 51 करोड़ से अधिक मतदाता शामिल होंगे। यह कवायद अंतिम सूचा के साथ 7 फरवरी, 2026 को समाप्त होगी। भारत का संविधान अनुच्छेद 324 और 326 में नुवान आयोग को विशेषाधिकार देता है कि वह निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र नुवान कराय और समय-समय पर मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण करता रहे। एसआईआर का दूसरा चरण उपर से शुरू होगा, क्योंकि 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला यह देश का सबसे बड़ा राज्य है। उप में अप्रैल-मई, 2027 में विधानसभा नुवान भी होने हैं, लेकिन आयोग की प्रार्थमिकता पर पंथिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल राज्य और संघशासित क्षेत्र होंगे, जहां 2026 में नुवान होने हैं। असम में भी 2026 में नुवान होंगे, लेकिन उसे फिलहाल एसआईआर से अलग रखा गया है। असम के संदर्भ में अजीब विरोधाभास सामने आया है कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा एसआईआर के पक्षधर हैं, लेकिन नुवान आयोग असम में नारिकता की स्थिति भिन्न मानता है। आयोग की दलील है चूँकि सर्वोच्च अदालत की देखरेख में असम में राष्ट्रीय नारिक रजिस्टर (एनआरसी) पर अदालत का फैसला अभी आया है, लाहाजा असम पर बाद में एसआईआर का आदेश जारी किया जाएगा। हकीकत यह है कि असम में एनआरसी के तहत जिन 19 लाख से अधिक लोगों की गणना की गई थी, उसमें 7 लाख से ज्यादा ही मुसलमान पाए गए। शेष 12 लाख से ज्यादा गैर-मुसलमान थे। एनआरसी की यह कवायद 2019 में ही पूरी हो चुकी है, लेकिन सर्वोच्च अदालत का फैसला शेष है। इसी तरह शेष अदालत के आदेशानुसार महाराष्ट्र में 31 जनवरी, 2026 तक स्थानीय निकाय (बीएसपी) के नुवान होने हैं। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस एसआईआर के पक्ष में हैं और उसे 'वॉटरमार्क' के तौर पर पेश करना चाहते हैं, लेकिन नुवान आयोग तैयार नहीं है।

चिंतन-मनन

खुद तय करें कि अगले जन्म में क्या बनेंगे

अंगले जन्म में आप धनवान बनेंगे या गरीब, एकत्र बनेंगे या डॉक्टर रहेंगे, सब आप पर निर्भर है। हो सकता है कि आप इस पर यकीन न करें। लेकिन आप इस सच नहीं हैं। इसका प्रमाण है श्रीमद्भगवद् गीता। गीता में भगवान् श्री कृष्ण ने कहा कि आत्मा अमर है। एक शरीर को छोड़कर आत्मा दूसरा शरीर धारण कर लेती है। अर्जुन को समझाते हुए श्री कृष्ण ने कहा कि ऐसा कोई समय नहीं है जब तुम और तुम नहीं होंगे। आने वाला ऐसा कोई समय नहीं है जब हम और तुम नहीं होंगे। भगवान् प्रत्यक्ष रूप से कहते हैं आत्मा निरंतर एक शरीर से दूसरे शरीर में पहुँचकर अपनी यात्रा जारी रखती है। बस आप चाहें या न चाहें आपको आगत जन्म लेना है। आपके हाथ में क्या इतना है कि आप आगले जन्म में खुद को किस रूप में देखना चाहते हैं यह तय करें। आप कहेंगे कि जन्म हम खुद ही तय कर सकते हैं कि कि हमें आगले जन्म में क्या बनना है तो हर व्यक्ति धनवान् और सुखी होता है। लेकिन इस दुनियाँ में गरीबी भी है और दुखी भी हैं। श्रीमद्भगवद् गीता में इस प्रश्न का भी उत्तर है। गीता के अष्टम में अध्याय में लिखा है, श्री कृष्ण अर्जुन से कहते हैं 'यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्तः कलेवरम्। त तमेवेति कौन्तेय सदा तद् भावभाविताः इस्का अर्थ है, 'हे अर्जुन! तुम अर्जुन! यह मनुष्य अन्तकाल में जिस-जिस भी भाव को स्मरण करता हुआ शरीर का त्याग करता है, उस उसको ही प्राप्त होता है। क्योंकि वह सदा उसी भाव से भावित रहा है। यानी आप अंत समय में जो जन्म-जन्म चीजों का ध्यान करेंगे अगले जन्म में उन चीजों को प्राप्त करेंगे। इसी मान्यता के कारण बहुत से लोग अपने बच्चों का नाम भगवान् के नाम पर अर्थात् राम, विष्णु, कृष्ण, गोविन्द आदि रखते हैं। इसका उद्देश्य यह रहता है कि जीवन काल में संतान का नाम लेते हुए भगवान् का स्मरण बना रहे। आमतौर पर मनुष्य का अपनी संतान से बहुत अधिक मोह होता है, मरते समय वह अपनी संतान का मुँह देना चाहता है और उसे ही याद करता है। संतान का नाम ईश्वर के नाम पर होने से मरते समय संतान को याद करते हुए व्यक्ति ईश्वर का भी ध्यान कर लेता है जिससे मुक्ति मिल जाती है। इसलिए हमेशा उस बात का ध्यान करिये कि आप अपना चाहते हैं।



अक्टूबर माह में बस में आग लगने और यात्रियों के जिन्दे जलने की घटना बढ़ती गई है। जयपुर, बस में बस हाइड्रेशन वाला तार से टकरा कर कीचर बस में करंट दौड़ने से दो व्यक्ति जिन्दे जलने और करीब दस व्यक्ति झुलस गए। जैसलमेर बस में आग लगने से 26 लोगों की मौत हुई। बृहन्महाराज, बस में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। कुरुनूल की चलती बस में आग लगने से दो व्यक्तियों की जलने से मृत्यु हो गई है। कुरुनूल में स्लीपर बस में आग लगने से बस जलकर खाक हो गई। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में बड़ा हादसा हुआ। आगरा लखनऊ मार्ग पर तेवरी टोलप्लाज्जा की लगी भीषण आग से कई लोग झुलस गए और कई यात्रियों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। बस में आग लगने की घटना थम नहीं रही है। इस महाने सर्वाधिक आग की घटना हुई है। और आग लगने से कई यात्री जिन्दे जल गए। बस में आग लगने की कहर और दुःखद घटनाओं में यात्रियों की मौतें हुए हैं। झुलसे यात्रियों की स्थिति नाजुक बनी और कुछ दिन बाद झुलसे व्यक्ति की मौत भी हो है। ऐसी घटना आखिर घटना नहीं है। इसमें पीछे रहे कारणा का पता चलने आवश्यक है। निजी बसें रखरखाव के अभाव और



टण्ड की दस्तक के साथ ही, धान की कटाई और पारली जलाई के बीच आई दिवाली पर खतनाकर स्तर तक पहुंचे प्रदूषण के लिए फिर पारली को ही जिम्मेदार ठहराया मैं पंजाब और दिल्ली की राज्य सरकारें इस बार आमने-सामने रहीं। यह सच है कि पारली के चलते दोनों राज्यों के अलावा कई अन्य राज्य इसका प्रदूषण भुगत रहे हैं। लेकिन ऐसा लगना था कि पंजाब-दिल्ली की सरकारें बजाए सुनहरे के एक दूसरे को दोषी ठहराए, प्रदूषण से कैसे निपटेंगे? आसमान से निगरानी हो लाइव तस्वीरों के इस दौर में भी सूच सामने होने के बावजूद राजनीतिक बयानबाजी बेहद हैरानी भरी है। वाले है कि प्रदूषण की दमघोड़ हवा इसके प्रभाव में आने वाले हर किसी को तकलीफ देती है। यह भी सही है कि कोरोना के बाद बहुतेरे लोगों में प्रदूषण को बरदास्त करने की क्षमता भी घटी है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारें बयानों से बचाव करें। हालांकि इस बार दिल्ली में क्वाड्रड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश को बात की जा रही है जो यह लिखे जाने तक दिखी नहीं। फिर भी देखना होगा यह तकनीक कितनी कामियाब होती है। लेकिन प्रदूषण को लेकर वह स्थाई विकल्प हो पाए,

चालक की लापरवाही के कारण भी चलीती बस में आग लगने और दुर्घटनाग्रस्त होती है चालक की गलतियों के नज़र अंदाज़ नहीं किया जा सकता है बसों में आग लगने की सिलसिलेवार कई घटनाओं में कहीं शॉर्ट सर्किट ते कहीं चालक की लापरवाही के कारण आग लग गई है जयपुर में हाईटेंशन लाइन के नीचेबस ले जाने और सिलसिलेदार में ब्लास्ट होने की वजह से आग लगी थी ध्यान मानव सर्जित घटना थी देश मे वाहनों की दुर्घटनाओं में कई लोग हररोज जान गंवाते है भारत मे हररोज सड़क दुर्घटना में सैकड़ो लोगो की मौत हो रही है। कार दुर्घटनाएँ कई कारणों से हो सकती हैं, लेकिन कुछ कारक घटित टक्करों के उच्च प्रतिशत का कारण बनते हैं। एनएचटीएसए के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल लगभग 29% सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों के लिए तेज गति जिम्मेदार थी। इस तरह के खतरनाक व्यवहार को अक्सर लापरवाह ड्राइविंग के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। चालक चलाते समय टेक्स्ट मैसेज भेजना, रैंडियो एडजस्ट करना या फोन पर बात करना सड़क से ध्यान भटक देती है। सीटीसी के अनुसार, अकेले अमेरिका में ही ध्यान भटककर गाड़ी चलाने से हर साल 3,000 से ज्यादा मौतें होती हैं। लाल बत्ती पर करना भी ध्यान भटकाने से जुड़ा एक आम व्यवहार है जिससे जानलेवा दुर्घटनाएं होती हैं।हमारे यहां लालबत्ति चालू होते हुए भी वाहनचालक क्रास पर कार लेते है।हैथ लगते और आरटीओ के नियमों का उल्लंघन है। बारिश, कोहरा और सड़कों का खराब रखरखाव जानलेवा दुर्घटनाओं में योगदान देता है। सीट बेल्ट ज़ान बचाती हैं, फिर भी कई मौतें अनियंत्रित

यात्रियों के कारण होती हैं। बारिश, कोहरा और सड़कों का खराब रखरखाव जामलेवा दुर्घटनाओं में योगदान देता है। संघीय राजमार्ग प्रशासन (FHWA) के आंकड़ों के अनुसार, सभी दुर्घटनाओं में से 21% मौसम संबंधी होती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्यादातर दुर्घटनाएँ आई होती हैं, ड्राइवर्स को उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में ज्यादा संकेत रहने में मदद कर सकता है। सड़क सुरक्षा आधुनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो प्रतिदिन लाखों लोगों को प्रभावित करता है। वाहनों की टक्करों से लेकर पैदल यात्रियों की दुर्घटनाओं तक, सड़क दुर्घटनाएँ जहाँ स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करती हैं, सड़क सुरक्षा बनाए रखने के लिए यातायात नियंत्रण का पालन करना बेहद जरूरी है। इसमें निर्धारित नितम सीमा का पालन करना शामिल है, जो सड़क की स्थिति के अनुसार बनाई गई हैं और दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करती हैं। इसके अलावा, ट्रैफिक सिग्नल और सड़क संकेतों का पालन करने से सड़क पर पूर्वानुमान बेहतर होता है, जिससे भ्रम और अप्रत्याशित मोड़ कम करने में मदद मिलती है। इन नियमों का पालन करके, चालक यातायात के समग्र सुचारु प्रवाह में योगदान देते हैं, दुर्घटनाओं की संभावना कम करते हैं और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाते हैं। सड़क पर संभावित खतरों को कम करने के लिए रक्षात्मक ड्राइविंग तकनीकों का प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। वाहन चलाते समय सतर्क और सज्ज रहने से चालकों को अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की गतिविधियों का पूर्वानुमान लगाने में मदद मिलती है, दुर्घटनाओं की रोकथाम में वाहनों का नियंत्रण और संपूर्ण रखरखाव एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ब्रेक, टायर और लाइट जैसे आवश्यक पुर्जों की

कब तक पराली रहेगी सियासत वाली

एसा लगता नहीं है।
इस सुप्रीम कोर्ट ने भी बोते बरस, दिल्ली में बड़े वायु प्रदूषण पर केंद्र को कड़ी फटकार लगाई तो पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी चेतावा। बावजूद इसके तो काबू पाया जा सका न ही कोई विकल्प खोजा गया। अलावा में तब पेश जवाब पर ही सवाल खड़े होना लादाली थे जो हुए। फिलाहाल दिल्ली में दिवाली के फौरन बाद प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक पहुँचाना बेहद चिंताजनक है। 301 से ऊपर का वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इण्डेक्स (एय्क्यूआई) इमरजेंसी स्थिति माना जाती है। दिल्ली में 27 अक्टूबर तक प्रदूषण के स्तर में सुधार ज़रूर हुआ है, लेकिन धान कटाई और पराली जलाने की घटनाओं में भी पंजाब वा आसपास तेजी से स्तर काबू बाह पड़च पड़चाना मुश्किल है। ध्यान देने वाली बात यह है कि न केवल पत्तसीआर बल्किदुसरे क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ा हुआ है। पंजाब भी बुरी तरह से इसकी गिरफ्त में है। लेकिन यह सच है कि दिल्ली के मुकामले वह प्रदूषण अभी कम है। भले अभी पंजाब को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है क्योंकिइसी मॉलवारलुधियाना में दिवाली के ठीक पहले 271, जालंधर में 247, अमृतसर में 224, पटियाला में 206 वायु गुणवत्ता सूचकांकदर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड के आंकड़ों को कि 27 अक्टूबर तक के है देखने से पता चलता है कि दिल्ली में प्रदूषण में गिरावट के बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक 301 पर बना हुआ है जोशिव स्वास्थ्य संयुक्त के मानकों से 1,900 गुणवत्ता अधिक है। इसी दिन बहारगढ़ में वायु गुणवत्ता सूचकांक 381 से बढ़कर 387 हो गया है। जबकि दिल्ली शहर में शहरों में यह 300 के पार है। वहीं देश में शिलंग की शराव से साफ रही जबकि भारत के 256 शहरों में से केवल 23प्रतिशत में ही हवा साफ है यानी 77

प्रतिशत में हवा खराब है। गनीमत है कि बीच-बीच में बदलते मौसम से हालात इस बार पिछली बार जैसे नहीं बने पा रहे हैं।

समस्या होगा कि प्रदूषण के लिए केवल भारत ही नहीं पाकिस्तान की पराली का धुंआ भी जिम्मेदार है। नासा की एक रिपोर्ट, वर्कडैव्यू एनिमेशन, सेटेलाइट तस्वीरें, चंडीगढ़ की सीमा ही आई और पंजाब यूनिवर्सिटी के शोध से भी साफ हो गया है कि भारतीय पंजाब के मुकाबले पाकिस्तानी पंजाब में पराली ज्यादा जलती। इस पर पड़ोसी पर भी लगाम की जरूरत है।

आखिर कैसे कोशिशें हैं कि सालों साल से यह मसला बाजिर सुझावों के हर बार नए आरोपों में घिर जाता है? रही बात सरकारों की तो केन्द्र या राज्य की सरकारें किसानों को लेकर दावा कुछ हैं। संसाधनों की कमी से जूझते छोटे-छोटे किसानों को भला त्रुण कैसे मिलेगा ताकि पराली से विभिन्न उत्पाद बनाने वाली मशीनें खरीदसके? किसानों की अपनी मजबूरी है।

खेती मौसम पर निर्भर है और एक-दो दिन का बिगड़ा मौसम महीनों की मेहनत पर पानी फिर देता है। इसी चलते किसान भी तुरंत पराली जलाने को मजबूर होते हैं। किसान-अपनी फसल की बुवाई की जल्दबाजी मौसम के डर के बीच हालातों से जुझता है। दूसरी फसल के लिए बहुत कम वक्त के चलते खासकर छोटे किसान असमंजस में जाते-समझते मजबूर पराली जलाने का अपराध करते हैं।

दिल्ली में वायु प्रदूषण दशकों पुराना मुद्दा है। 1985 में भी आवाज उठी थी। जब कहीं नगर जेथेन से हिमालयी क्षेत्र में एक फटीलाइजर संयंत्र की जहरीली हवासे लोग बीमार होने लगे। तब एक वकील एम.सी. महेता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। हकीकत देखिए, सुनवाई के दौरान ही प्लांट से ओलियम गैस रिसा

यानी चुनावों डाटा की सफाई और पुर्नगठन। भारत चुनावी प्रक्रिया विश्व में सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में जानी जाती है। लेकिन यह गौरव तभी क होगा जब मतदाता सूची, मतदान केंद्रों की निष्पक्षता आचार संहिता के पालन में कोई संदेह न रहे। चुनाव का यह पहल उसी लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम लोकतंत्र केवल मतों की गिनती नहीं, बल्कि विश्वास गिनती है और यह विश्वास चुनाव आयोग का है। मतदात्री, पारदर्शिता और सक्षमता पर टिका है। जन-नैथिजल कानून, 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग की स्थापना सूची तैयार करने और उन्को संशोधित करने का कामकार देती है। मतदाता सूचियों को दुरुस्त करना चुनाव का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अनिवार्य आवश्यकता भी है। बिजंबना है कि कुछ दलों को इस आवश्यकता की पूर्ति गिनती रास नहीं आ रहा है। उन्होंने बिहार में एसआईआर लेलेकर असमान सिर पर उठाया और वोटर चोरी के तरे के सहारे सड़कों पर उतरने के साथ ही सुप्रिम कोर्ट दरवाजा भी खटखटाया। मगर उनकी दाल न सुप्रिम के समक्ष गली और न ही बिहार की जनता के बीच सीसीएफ़ कि वे कोरा दुष्प्रचार कर रहे थे।

रा कुमार की यह पहल केवल तत्कालीन संशोधन नहीं, क लोकतांत्रिक संस्कृति में नवीनीकरण का संदेश है। वे केवल सही परिपतन का माध्यम नहीं, बल्कि निष्पक्षता की परीक्षा भी है। यदि यह अभियान ईमानदारी जनसहभागिता के साथ पूरा होता है, तो यह भारत के लोकतंत्र को और परिपक्व बनाएगा। अब जिम्मेदारी केवल व आयोग की है, बल्कि हर नागरिक और राजनीतिक दल की भी है कि वे इस सुधारक पहल का ख्याग करें। लोकतंत्र के इस महावर्ष को निष्फल बनाए रखने में ही भीमिका निभाए। क्या यह विश्वास नहीं कि विपक्षी दल दाता सूचियों में गड़बड़ियों की किशायत भी करते हैं और पुनरीक्षण का विरोध भी? हालांकि उनके दुष्प्रचार की खुल चुकी है, फिर भी चुनाव आयोग को इसके लिए रहना होगा कि विपक्ष शासित राज्य एसआईआर का का विरोध कर सकते हैं। उस इसके प्रति सतर्क होगा कि मतदाता सूचियों को ठीक करने की प्रक्रिया कसी तरह की गलती न होने पाए, क्योंकि विपक्षी दल छोटी दलों को तूल देकर इस संवैधानिक प्रक्रिया को न बतों की चोट कर सकते हैं।

खक, पत्रकार, स्तंपकार)

संभवित जाँच और निरीक्षण के माध्यम से, चालक संभावित यांत्रिक समस्याओं की पहचान कर सकते हैं और उन्हें गंभीर खराबी में बदलने से पहले ही उनका समाधान कर सकते हैं।

व्यापक सड़क सुरक्षा शिक्षा का उद्देश्य ड्राइवरों, पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों सहित सभी सड़क उपयोगकर्ताओं तक पहुँचना होना चाहिये। सड़क सुरक्षा प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाकर, जैसे कि पैदल यात्रियों के लिए निर्दिष्ट क्रॉसिंग बिंदुओं का उपयोग करने का महत्व और विभिन्न सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच परस्पर सम्मान की आवश्यकता, शिक्षा सुरक्षा और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दे सकती है। गति निर्वन्धन के प्रभावों का उपाय तेज गति से होने वाली दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक है। स्पीड ब्रेक और रंगल स्ट्रिप्स जैसे भौतिक ढाँचे लगाने से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में यातायात धीमा करने में मदद मिल सकती है, जबकि रणनीतिक रूप से लगाए गए स्पीड कैमरे अपेक्षा निवारक और प्रवर्तन उपकरण के रूप में कार्य करते हैं। इसके अतिरिक्त, कानून प्रवर्तन पहलों और जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से गति सीमाओं का सख्ती से पालन, तेज गति से चलने वाले व्यवहारों को और हतोत्साहित कर सकता है, शराब या नशीली दवाओं के नशे में गाड़ी चलाने की प्रवृत्ति को कम करने पर केंद्रित शैक्षिक अभियान, नशे में गाड़ी चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नशे में गाड़ी चलाने के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और वैकल्पिक परिवहन विकल्पों तथा पिनारित ड्राइवरों के बारे में जाकारी प्रदान करके, इन अभियानों का उद्देश्य नशे में गाड़ी चलाने की आदतों को हतोत्साहित करना है।



औरतीस हजारों कोर्टों के एक वकील की जान चली गई। कयोंकी हालत बिगड़ी। इसके बाद कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा। आबादी वाले क्षेत्र में क्लोरिन, सुपर क्लोरिन, ऑक्सीजन, फॉस्फेट जैसी जरूरतोंसे उपलब्ध बनाने पर रोक लगी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने की मौलिक अधिकार बनाया। धरातल पर देखें तोसिवाय कागजी औद्योगिक बाने, बैटके और आक्सिस में आरोप-प्रत्यारोप सेज्वादा भला अब तक क्या हासिल हुआ है? न तमाम प्रभावित राज्य सरकारें और नही केन्द्र,पारली केदेसरे उपयोग किसानों कोसमझा पाया। कलाउड सीडिंग से कृषिम बारिश की बातें करने वाली दिल्ली सरकार भी खतरनाक स्तर तक प्रदूषण से फौरी राहत हींदीला फुलौं कुछ देशों ने कर दिखया। बजाए आपसी तू-तू, मैं-मैंके पारली सग्रण, इससे व्यावसायिक उद्योगों पर पूरे साल चर्चा होती तो शायद जलाने की नौबत ही न आती। लपता नहीं कि पारली मुद्दा गंभीर जरूर है लेकिन निदान असंभव नहीं?काश, सरकारी तंत्र और हुम्नराय वहा समझ पाते!

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक मधु शर्मा ने वेबकट मीडिया प्रा.लि. सी-285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 14/6, Flat No-1, राजनगर, गाजियाबाद से प्रकाशित किया। सम्पादक : मधु शर्मा -Mob: 9899524247

कानूनी सलाहकार एडवोकेट: शबाना जैदी। संरक्षक: अश्वनी शर्मा, डॉ प्रमोद कुमार। एसोसिएट एडिटर: मनीष देशवाल। (समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख, आलेख पर संपादक की सहमति होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद विवाद के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद होगा।)





इग सिंडिकेट के खिलाफ एनसीबी की बड़ी कार्रवाई, दाऊद इब्राहिम का करीबी दानिश चिकना गोवा से गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के करीबी और इग सिंडिकेट का प्रमुख दानिश मर्वेंट उर्फ दानिश चिकना को गोवा से गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई टीम ने की और कहा जा रहा है कि इस गिरफ्तारी से दाऊद के इग नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। एनसीबी की जानकारी के मुताबिक, दानिश चिकना मुंबई के डोंगरी इलाके में इग फैक्ट्री चला रहा था और पूरे देश में इग नेटवर्क मैनेज कर रहा था। उसका नाम पहले भी कई बार इस के धंधे में आ चुका था। 2019 में एनसीबी ने डोंगरी में दाऊद की इग फैक्ट्री पर छापा मारकर करोड़ों रुपये की इस जगह की थी। यह फैक्ट्री सज्जी की दुकान की आड़ में चलाई जा रही थी। उस समय दानिश चिकना को राजस्थान से गिरफ्तार किया गया था। कुछ समय जेल में रहने के बाद वह बाहर आया और फिर से इस के धंधे में सक्रिय हो गया। सूत्रों के मुताबिक, दानिश चिकना दाऊद के पुराने साथी युसुफ चिकना का बड़ा बेटा है। जांच एजेंसियों ने साफ किया है कि दाऊद से उसके करीबी रिश्ते हैं। पिछले कुछ महीनों से एनसीबी और मुंबई पुलिस दोनों उसे ढूंढ रही थीं। दानिश कई बार पुलिस को चकमा दे चुका था। लेकिन इस बार गोवा के बाद एनसीबी ने अचानक छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया गया है कि एनसीबी के अधिकारियों ने दानिश चिकना को गोवा से मुंबई लाने की तैयारी शुरू कर दी है। जांच अधिकारियों को शक है कि उससे दाऊद इब्राहिम के इग नेटवर्क के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है। शुरुआती पूछताछ में दानिश से मुंबई में कई इग तस्करी रैकेट, मनी ट्रांसफर नेटवर्क और डिस्ट्रीब्यूशन चैन के बारे में जानकारी मिलने की संभावना है। इस कार्रवाई से दाऊद इब्राहिम के इग साम्राज्य पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। इस गिरफ्तारी से पुलिस को मुंबई, गोवा, राजस्थान और गुजरात में फैले नेटवर्क के एक बड़े तार हाथ लगे हैं।

जुबीन गर्ग को अंतिम विदाई... उनकी अस्थियां ब्रह्मपुत्र नदी में विसर्जित की गईं

गुवाहाटी (एजेंसी)। दिवंगत गायक जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग ने बुधवार को उनकी अस्थियां ब्रह्मपुत्र नदी में विसर्जित कीं। जुबीन गर्ग ने एक बार इच्छा जाहिर की थी कि उनके चले जाते पर उन्हें ब्रह्मपुत्र में विसर्जित किया जाए, जिसका सम्मान करते हुए यह रस्म पूरी की गई। अंतिम विदाई की यह रस्म गुवाहाटी के रचित घाट पर हुई, जहाँ परिवार के सदस्यों (बहन पाल्मी बोरताकुर सहित), मीडिया और भारी संख्या में फैंस मौजूद थे। जुबीन गर्ग का निधन 19 सितंबर, 2025 को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान एक दुर्घटना में हुआ था। मृत्यु को कारण पानी में दम घुटना बताया गया है। वहीं सीबीआई और असम की सीआईडी उनकी मृत्यु की जाँच कर रही हैं। [जुबीन गर्ग की आखिरी फिल्म रोड रॉई बिनाले जल्द ही रिलीज होने वाली है, जिसकी रिकॉर्डिंग वह अपने अंतिम दिनों में कर रहे थे। उनके प्रवासक इस फिल्म का जोरदार प्रचार कर रहे हैं, ताकि जुबीन गर्ग का साना बड़े पर्दे तक पहुँच सके। यह प्रचार गाँवों से लेकर शहरों तक, सोशल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर तक हो रहा है। कई सिनेमा हॉल के मालिक भी जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि देने के लिए आगे आए हैं और फिल्म के प्रीमियर के आसपास विश्व स्त्रीपिंग और उनकी याद में कार्यक्रम की योजना बना रहे हैं।

फांसी के इंतजार में काटी 12 साल की जेल, बरी होने पर मांगा मुआवजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट उन 3 व्यक्तियों की दायर रिट याचिकाओं पर सुनवाई करेगा, जिन्होंने गलत सजा और मौत की सजा का दोष झेलने के बाद बरी होने पर मुआवजे की मांग की है। यानी ने 12 साल जेल में बिताए और बाद में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बरी किए गए। याचिकाकर्ता ने अपनी गलत गिरफ्तारी, अभियोजन और दोषसिद्धि के लिए मुआवजे की मांग की है। मुख्य याचिकाकर्ता 41 वर्षीय रामकिशर मुनिाला गौड़ है, जो महाराष्ट्र राज्य से गलत दोषसिद्धि और बारह साल की कैद, जिसमें से छह वर्ष उन्होंने फांसी की सजा के इंतजार में बिताए। उन्होंने मुआवजा मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी करते समय पाया था कि उनकी दोषसिद्धि त्रुटिपूर्ण और दूषित जांच पर आधारित थी। पीठ ने मामले में 27 अक्टूबर को कहा कि हम भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अर्जी जनरल से आग्रह करते हैं कि वह इस मामले में अदालत की सहायता करें। दूसरे याचिकाकर्ता तिमिनाडू के कट्टवेल्लई और उत्तर प्रदेश के संजय को भी हत्या व बलाकार के मामले में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी जिन्हें बाद में सुप्रीम कोर्ट ने बरी किया था। कट्टवेल्लई के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि गलत तरीके से कैद करने के मामलों में मुआवजा देने के लिए एक कानून होना चाहिए।

शिरडी दर्शन से लौटते साईं भक्तों की कार पलटी, 3 की मौत, 4 घायल

नासिक(एजेंसी)। शिरडी साईं बाबा के आशीर्वाद लेने आए भक्तों पर देव ने कहर बरपा दिया। शिवरात्रि इलाके में शिरडी दर्शन कर लौट रही फॉर्ब्यूनर कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हैं। घटना रात के समय हुई। कार में सवार सात लोग शिरडी से घर लौट रहे थे। दो की मौके पर ही मौत, पांच घायलों को ग्रामीणों और पुलिस ने रेस्क्यू कर नासिक के निजी अस्पताल भेजा। रास्ते में एक और ने दम तोड़ा। बाकी चार का इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि कार तेज रफ्तार में थी। आस-पास के सीसीटीवी फुटेज से हादसे की वजह पता की जा रही है। प्रारंभिक जांच में चालक की लापरवाही और नियंत्रण खोना मुख्य कारण लग रहा है। यह महाराष्ट्र में सड़क हादसों का दूसरा बड़ा मामला है। 18 अक्टूबर को वाशिम जिले के समुंद्री महामार्ग पर जऊलका पुलिस स्टेशन के पास इनोवा कार डिवाइडर से टकरा गई। कार मुर्दाबंद से ओडिशा के जंगलधरा पुरी दर्शन के लिए जा रही थी। इसमें सवार सभी म्र्यांमार के नागरिक थे।

बिहार चुनाव के पहले चरण में 2 प्रत्याशी 80 से ऊपर और 432 दागी मैदान में

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में दो प्रत्याशी ऐसे है जो 80 साल से ज्यादा आयु के हैं। जबकि 432 दागी प्रत्याशी चुनावी मैदान में दिख रहे हैं। बता दें पहले चरण के 121 विधानसभा क्षेत्रों में उतरे 1303 उम्मीदवारों में 40 फीसदी करोड़पति हैं। औसतन एक उम्मीदवार के पास 3.26 करोड़ रुपये की संपत्ति है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल उम्मीदवारों में 36 फीसदी (463) की आयु 25 से 40 वर्ष के बीच की है। 51 फीसदी (669) उम्मीदवारों ने अपनी आयु 41 से 60 वर्ष के बीच बताई है। 13 प्रतिशत (169) उम्मीदवारों ने 61 से 80 वर्ष के बीच आयु घोषित की है। दो उम्मीदवारों की उम्र 80 वर्ष से भी अधिक है।

एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) और बिहार इलेक्शन वॉच ने पहले चरण के उम्मीदवारों के शपथ पत्र के आधार पर जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कुल 1314 में से 1303 उम्मीदवारों द्वारा घोषित वित्तीय, आपराधिक, शिक्षा, लिंग एवं अन्य



विवरणों के आधार पर विश्लेषण किया गया है। चुनाव के पहले चरण में नौ फीसदी (121) महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ रही हैं। इस चरण में 432 दागी मैदान में हैं। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक 50 फीसदी (651) उम्मीदवारों शैक्षणिक योग्यता स्नातक या उससे अधिक की

है। 105 उम्मीदवार डिप्लोमाधारक, 105 साक्षर और आठ असाक्षर हैं। 40 फीसदी (519) उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता 5वीं से 12वीं के बीच की है। कुल उम्मीदवारों में आठ फीसदी (103) के पास दस करोड़ से अधिक, जबकि सात

छठ महापर्व पर छाया मातम, बिहार में 83 लोगों की डूबने से हुई मौत

पटना (एजेंसी)। छठ महापर्व



अकेले बिहार में 83 लोग हादसे का शिकार हुए और उनकी जान चली गई। अकेले पटना 9 लोगों की डूबने से मौत हुई है। इनमें अधिकतर की जान छठ घाट बनाते समय पैर फिसलने, नहाने या फिर अर्घ्य देते समय गहरे पानी में चले जाने से हुई है। मृतकों में दक्षिण बिहार से 34, कोसी-सीमांचल, पूर्वी बिहार के 30 और उत्तर बिहार के 19 लोग शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक पटना से सटे मोकामा में मरांची के बादपुर स्थित गंगा घाट पर मंगलवार सुबह करीब 6-30 गंगा स्नान के दौरान डूबने से रंकी पासवान (21) की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही रंकी की बहन सपना ने भी सदमे में दम तोड़ दिया। इस घटना से परिवार से कोहराम मच गया। बादपुर निवासी चूहा पासवान के पुत्र रंकी गंगा में स्नान कर रहा था। तभी वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। स्थानीय गोताखोर और एसडीआरएफ टीम ने कड़ी मशकत के बाद रंकी पासवान का शव बरामद कर लिया। इस घटना की जानकारी जैसे ही सपना कुमारी को हुई। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने तत्काल उसे मरांची स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। रंकी पासवान ने हाल ही में होमागड का फिजिकल टेस्ट निकाला था और परिवार में खुशी का माहौल था।पटना

जिले में गंगा स्नान के दौरान अलग-अलग स्थानों पर 15 लोग डूब गए। कोसी-सीमांचल, पूर्वी बिहार के 30 और उत्तर बिहार के 19 लोग शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक पटना से सटे मोकामा में मरांची के बादपुर स्थित गंगा घाट पर मंगलवार सुबह करीब 6-30 गंगा स्नान के दौरान डूबने से रंकी पासवान (21) की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही रंकी की बहन सपना ने भी सदमे में दम तोड़ दिया। इस घटना से परिवार से कोहराम मच गया। बादपुर निवासी चूहा पासवान के पुत्र रंकी गंगा में स्नान कर रहा था। तभी वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। स्थानीय गोताखोर और एसडीआरएफ टीम ने कड़ी मशकत के बाद रंकी पासवान का शव बरामद कर लिया। इस घटना की जानकारी जैसे ही सपना कुमारी को हुई। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने तत्काल उसे मरांची स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। रंकी पासवान ने हाल ही में होमागड का फिजिकल टेस्ट निकाला था और परिवार में खुशी का माहौल था।पटना

पंजाब के एक और रिटायर्ड पुलिस अफसर पर गिरी गाज, झूठा केस बनाने के मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिश्त और झूठे मामले दर्ज करने के मामले में पंजाब के कई पुलिस अफसर निशाने पर आ गए हैं। पहले रिश्त केस में डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर धरे गए अब पंजाब पुलिस के रिटायर्ड एसएसपी रशपाल सिंह को हेरोइन तस्करी से जुड़े एक मामले में स्पेशल टास्क फोर्स ने गिरफ्तार किया है। रशपाल सिंह दो साल पहले रिटायर हुए हैं। आठ साल पहले अमृतसर के एक व्यक्ति पर एक किलो हेरोइन का फर्जी केस दायर किया था। इसी मामले में रशपाल सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। चार्जशीट में उनके अलावा इस्पेक्टर सुखविंदर सिंह, सब इस्पेक्टर प्रभजीत सिंह व बलविंदर सिंह, थानेदार कुलविंदर सिंह, थानेदार सुरजीत सिंह, थानेदार कुलबीर सिंह, थानेदार बेअत सिंह, कुलवंत सिंह और हवलदार हीरा सिंह के नाम भी शामिल हैं।

रशपाल सिंह जब एसटीएफ चीफ थे तो उनकी टीम ने साल 2017 में गुरजंट सिंह उर्फ सोनू नाम के व्यक्ति से एक किलो हेरोइन बरामद की थी। पुलिस ने हेरोइन को यह छप बलविंदर



सिंह के नाम पर दिखा दी और गुरजंट सिंह को रिहा कर दिया। पुलिस ने बलविंदर सिंह को फंसाने के लिए फर्जी कहानी बनाई थी। बलविंदर सिंह को रशपाल सिंह की टीम ने 3 अगस्त 2017 को सिविल अस्पताल पट्टी तरनातारन से गिरफ्तार किया था। बाद में उस पर एक किलो हेरोइन का केस दर्ज कर लिया था। उस पर पाकिस्तान से हेरोइन मगवाने के भी आरोप लगाए गए। तीन अन्य आरोपियों के नाम मामले में जोड़ दिए थे।बलविंदर के खिलाफ सप्लोमेंट्री रिपोर्ट में बताया था कि भौर सिंह नाम के आरोपी के खेतों में हेरोइन की एक और खेप दबी है। इसके बाद पुलिस को खेत से चार किलो 530 ग्राम हेरोइन, एक पिस्टल, तीन मैगजीन

और 56 कारतूस बरामद किए। पुलिस ने बलविंदर सिंह, मेजर सिंह और भौर सिंह को खिलाफ अमृतसर की अदालत में चार्जशीट पेश की। वहीं, बलविंदर सिंह के खिलाफ सप्लोमेंट्री चार्जशीट दाखिल की लेकिन इसमें गुरजंट सिंह का जिक्र नहीं था, जिससे शक गहरा गया। इस पर बलविंदर सिंह ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटया। हाईकोर्ट ने नवंबर 2019 में मामले की जांच के लिए डीजीपी डायरेक्टर ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन प्रमोद बात और जांच में डीजीपी की तरफ से बलविंदर सिंह की कॉल डिटेल्स, सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन का डाटा दिसंबर 2020 को हाईकोर्ट में दाखिल किया गया। कॉल डिटेल्स और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सवाल खड़े हुए और जनवरी 2021 को हाईकोर्ट ने जांच सीबीआई को सौंप दी। सीबीआई ने स्पेशल कोर्ट में एसटीएफ के एआईजी खालत सिंह सहित 10 पुलिस कर्मियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इसके अलावा कुछ और अफसर भी बताए जा रहे हैं जो इस तरह के मामलों में निशाने पर हैं।

भारत और रूस अगली पीढ़ी की ब्रह्मोस-2 हाइपरसोनिक कूज मिसाइल बनने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस संयुक्त रूप से अगली पीढ़ी की ब्रह्मोस-2 हाइपरसोनिक कूज मिसाइल तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। यह मिसाइल मंजूरी के अंतिम चरण में है और ब्रह्मोस-2 को 2031 तक भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल करने का लक्ष्य निश्चित किया गया है। ब्रह्मोस-2 मौजूदा ब्रह्मोस मिसाइल का उन्नत संस्करण है, जो पहले से कहीं अधिक तेज, सटीक और तकनीकी रूप से आधुनिक होगी। ब्रह्मोस-2 मिसाइल को रेंज 1500 किलोमीटर तक होगी और यह ध्वनि की गति से पांच गुना (मैक-5 से मैक-8) तक की गति पर चलने में सक्षम होगा। रक्षा विशेषज्ञों का कहना यानी करीब 8500 से 10,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर सकेगी। यह

इतनी तेज गति से चलेगी कि किसी भी देश को मौजूदा मिसाइल डिफेंस प्रणाली के लिए ब्रह्मोस-2 को रोक पाना लगभग असंभव होगा। यह मिसाइल जमीन, समुद्र, हवा और पनडुब्बी से दागी जा सकेगी। रूस परियोजना में स्कैमजेट इंजन तकनीक दे रहा है, जबकि भारत इसके सीकर, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वायरफेयर-रोधी एंटीमिसाइल सिस्टम विकसित कर रहा है। मिसाइल में 200 से 300 किलोग्राम का विस्फोटक वाहक डलगाया जाएगा, जो किसी भी सामरिक या सैन्य ठिकाने को पूरी तरह नष्ट करने में सक्षम होगा। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रह्मोस-2 के आने से भारत की रणनीतिक क्षमता में बड़ा इजाफा होगा।

1500 किमी की रेंज के चलते मिसाइल भारत से दागे जाने पर पूरा पाकिस्तान और चीन का करीब 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्र कवर कर सकेगी। उदाहरण के लिए, राजस्थान या गुजरात से लांच करने पर कराची, लाहौर, इस्लामाबाद और रावलपिंडी जैसे प्रमुख पाकिस्तानी शहर निशाने पर आने वाले हैं। जबकि अरुणाचल प्रदेश या लद्दाख से लांच करने पर चीन के तिब्बत, सिचुआन, कुनिमिंग और शिनजियांग के सैन्य ठिकाने मिसाइल की रेंज में आ जाएंगे। ब्रह्मोस-2 परियोजना की शुरुआत 2011 में हुई थी। इसके विकास में भारत की रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस की एनपीओ

मशिनोस्ट्रयेनीया प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। 2020 में डीआरडीओ ने हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डेमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल (एचएसटीडीवी) का सफल परीक्षण किया था, जिसने ब्रह्मोस-2 के विकास को नई दिशा दी। रक्षा विश्लेषकों के अनुसार, इस मिसाइल की तैनाती के बाद भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद दुनिया का चौथा देश बन जाएगा जिसके पास हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मिसाइल भारत की 'नो फर्स्ट यूथ' नीति को और विश्वसनीय बनाएगी तथा दुश्मन देशों के लिए एक प्रभावी डिटेन्स (रोकथाम क्षमता) सज्जित होगी।



गोवा में 34 अधिकारियों के तबादले पर सियासी घमासान, कांग्रेस बोली- चुनाव आयोग के निर्देशों का हुआ उल्लंघन

पणजी (एजेंसी)। चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा गोवा समेत नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा के तुरंत बाद राज्य सरकार द्वारा किए गए 34 अफसरों के तबादलों ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। गोवा कांग्रेस ने इन तबादलों को चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन बताते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने सोमवार को गोवा सिविल सेवा के 34 जूनियर स्केल अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया। अधिकारियों का कहना है कि यह नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया है और कुछ अफसर नियुक्ति की प्रतीक्षा में थे। हालांकि, गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित पाटकर ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर कहा कि तबादला किए गए कई अधिकारी चुनावी प्रक्रिया से जुड़े हैं, जिनमें डिप्टी कलेक्टर, मुख्य अधिकारी और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआओ) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर की घोषणा के बाद ऐसे तबादले चुनाव आयोग के मानदंडों का स्पष्ट उल्लंघन हैं, क्योंकि आयोग की पूर्व अनुमति के बिना चुनावी कार्यों से जुड़े अधिकारियों का स्थानांतरण नहीं किया जा सकता। पाटकर ने मांग की कि राज्य सरकार के इन अनियमित तबादलों को तत्काल रद्द किया जाए, ताकि गोवा में चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनी रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी संजय गोयल ने बताया कि तबादलों में कुछ निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी भी शामिल हैं और उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राज्य सरकार के समक्ष उठया जाएगा।

अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय होने में लंबी देरी पर चिंतित सुप्रीम कोर्ट

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का पालन नहीं कर रही अदालतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देशभर की अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय करने में हो रही लंबी देरी पर चिंता जाहिर की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह देरी न्याय प्रणाली की दक्षता पर गंभीर सवाल पैदा करती है। कई बार आरोपी सालों तक जेल में बंद रहते हैं, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हो पाता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनबी अंजारीया की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि देरी भर में कई इस्तरह के केस हैं, जिसमें चार्जशीट दाखिल हुए 3-4 साल हो गए, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हुआ। शीर्ष अदालत ने साफ संकेत दिया कि वह अब इस समस्या पर पूरे देश के लिए समान दिशानिर्देश जारी करने पर विचार होना चाहिए है, ताकि इस प्रणालीगत देरी को समाप्त कर सके। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट



सिद्धार्थ लूथरा को अमाइकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) नियुक्त किया है। साथ ही भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और

अर्जी जनरल से भी विषय पर न्यायालय की सहायता करने को कहा गया है। अदालत ने बिहार राज्य के वकील को भी इस प्रक्रिया में

शामिल किया है। पीठ एक इस्तरह के मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोपी करीब दो साल से जेल में था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि चार्जशीट 2023 में दाखिल की गई थी, लेकिन अभी तक आरोप तय नहीं हुए हैं। इस पर जस्टिस अरविंद कुमार ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, दीवानी मामलों में मुद्दे तय नहीं होते, आपराधिक मामलों में आरोप तय नहीं होते। आखिर कठिनाई क्या है? अगर यह स्थिति जारी रही, तब हम पूरे देश के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने की कोशिश में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 251(बी) में यह प्रावधान है कि सत्र न्यायालय के मामलों में पहली सुनवाई से 60 दिनों के भीतर आरोप तय किए जाने चाहिए, लेकिन अदालतों में इसका पालन नहीं हो रहा।

आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत, स्वास्थ्य आधार पर मिली सशर्त जमानत

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बुधवार को आसाराम को बड़ी राहत देकर रेगुलर जमानत मंजूर कर दी है। यह फैसला कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की डिवीजन बेंच ने दिया। आसाराम की ओर से स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर नियमित जमानत याचिका दायर की गई थी। इस याचिका पर बुधवार को जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने आसाराम को उपचार और स्वास्थ्य संबंधी कारणों को देखकर राहत दी। बात दें कि आसाराम वर्तमान में जोधपुर की जेल में यौन शोषण के मामले में सजा काट रहे हैं। इससे पहले भी उन्हें कई बार अस्थायी जमानत दी गई थी और कई बार जमानत देने से इंकार किया था। लेकिन लगातार बिगड़ते स्वास्थ्य और चिकित्सीय रिपोर्टों को देखने के बाद अदालत ने इस बार रेगुलर जमानत को मंजूरी दी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला शर्तों के साथ जमानत के रूप में लागू किया जाएगा, जिसके तहत आसाराम को इलाज के दौरान अदालत द्वारा तय नियमों का पालन करना होगा।

वोट बैंक के लिए देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है इंडिया गठबंधन : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रविड़ मुनेत्र कडगम (द्रमुक) पर निशाना साधते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन वोट बैंक के लिए देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है।



पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने बुधवार को यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में असम के श्रीभूमि में कांग्रेस पार्टी की बैठक में पार्टी के बड़े नेता द्वारा बंगलादेश का राष्ट्रपान गाने पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन की एक ही पहचान बन गयी है, 'जुबान पर सिन्धान, पर मन में वोट बैंक की दुकान'। उन्होंने कहा कि कल तक पश्चिम बंगाल को अपना घर बताने वाली कांग्रेस अब बंगलादेश पर मेहरबान हो गयी है। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस वोट बैंक की दुकान चलाने के लिये अवैध बंगलादेशी घुसपैठियों और

रोहिंग्याओं का साथ देने के एजेंडे पर उतर आये है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह पार्टी लगातार कई वर्षों से बंगलादेशी घुसपैठियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। इसी अभियान के तहत संप्रग के कार्यकाल का देश में करोड़ों घुसपैठियों को बसाने का काम किया गया। उन्होंने आगे कहा कि अब तो कांग्रेस पार्टी अपने मंच से बंगलादेश का राष्ट्र गान गाने अपना समर्थन प्रकट करती है। पूनावाला ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस उस बंगलादेश का राष्ट्रपान गा रही है जिसने हमारे देश के उत्तर पूर्व भाग

विशेषकर असम में अराजकता फैलाने की कोशिश की थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह घुसपैठिया प्रेम सिर्फ कांग्रेस में ही नहीं बल्कि इंडिया गठबंधन के बाकी दल भी कर रहे हैं। इस होड़ में तृणमूल, कांग्रेस, द्रमुक सभी शामिल हैं। पूनावाला ने कहा कि इंडिया गठबंधन के दलों में तुष्टिकरण और वोटबैंक के लिए ऐसा करने की होड़ लगी है। जिसके चलते कांग्रेस पार्टी अपने आधिकारिक मंच से घुसपैठियों का समर्थन करती है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि तृणमूल भी जंगलराज और शरिया का राज चाहती है। पश्चिम बंगाल में हिंसा करने वाले, दंगा करने वाले और जंगलराज बनाने वाले लोगों को ममता सरकार खुला संरक्षण देती है। प्रवक्ता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा नेताओं पर हमले और मेडिकल छात्रा से दुर्घर्म की घटना पर संविधान बचाने की बात करने वाले कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी एक शब्द भी नहीं बोलते हैं।



महिला विश्वकप कप क्रिकेट सेमीफाइनल में आज होगा भारत और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला

नवी मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां होने वाले महिला विश्वकप कप के दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला करेगी। इस मैच में जीत के लिए भारतीय टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इसका कारण है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत है और उसके खिलाफ भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनों ही टीमों के बीच हुए 60 मैचों में से 49 में ऑस्ट्रेलियाई टीम जीती है जबकि केवल 11 में भारतीय टीम जीती है। भारतीय टीम अगर

सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हरा देती है तो उसके लिए खिताब जीतना काफी आसान हो जाएगा। इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है पर इसके बाद भी अगर टीम बेहतर तरीके से खेले तो उसके पास ऑस्ट्रेलिया को हराने का अच्छा अवसर है। भारतीय टीम कोपहले दो मैच में जीत के बाद उसे लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा हालांकि इसके बाद उसने अच्छी वापसी

की और सेमीफाइनल में जगह बनायी हालांकि शानदार फार्म में चल हरी प्रतीका रावल के चोटिल होकर बाहर होने से उसे झटका लगा है। प्रतिका ने इस टूर्नामेंट में पारी की शुरुआत करते हुए काफी अच्छी बल्लेबाजी की है।

वहीं अब भारतीय टीम को इस मैच में जीतने के लिए अपने प्रयासों में कोई कमी नहीं रखनी होगी। प्रतिका की जगह शामिल शैफाली वर्मा कैसा प्रदर्शन करती हैं। इस पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ शैफाली का रिकॉर्ड (25 पारियों में 37.20 की औसत से 893 रन) रावल और मंधाना के सलामी जोड़ी के रूप में 23 पारियों में 78.21 की औसत से 1,799 रनों से काफी कम है। शैफाली आक्रमक तो हैं पर पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। इस मैच खेलना होगा कि शैफाली को उतारा जाता है या हरलीन देओल को सलामी बल्लेबाज के रूप में भेजा जाता है।

हरलीन ने भी सात मैचों में 75.11 की औसत से बिना किसी अर्धशतक के 169 रन



बनाए हैं और उनका रिकार्ड भी कुछ खास नहीं है पर वह लंबे समय तक बल्लेबाजी करती हैं। इससे मंधाना को दूसरे छोर से रन बनाने का अवसर रहता है। वहीं पिच की बात करें तो यहां हो रही बारिश के बाद भी पिच कुछ समय में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। इस मैच खेलना होगा कि शैफाली को उतारा जाता है या हरलीन देओल को सलामी बल्लेबाज के रूप में भेजा जाता है।

गेंदबाजी भी प्रभावी रही है। वहीं दूसरी ओर स्पिनर स्नेहा राणा का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। हरमनप्रीत अभी तक बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है और इस बार वह बड़ी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाना चाहेंगी।

भारतीय टीम को इस मैच में भी मंधाना से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी है। उन्होंने अब तक इस टूर्नामेंट में 60.83 की औसत से 365 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो

टीमें इस प्रकार हैं

भारत = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देओल, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेहा राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अर्धशति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया = एलिसा हिली (कप्तान और विकेटकीपर), ताहलिया मैकग्राथ (उपकप्तान), एलिस पेरी, बेथ मूनी (विकेटकीपर), फोबे लिचफील्ड, जॉर्जिया वोलेन, एशले गार्डनर, किम गैथ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, सोफी मॉलिनक्स, एनाबेल सदर्लैंड, डार्ली ब्राउन, मेगन स्कुट, जॉर्जिया वेयरहेम।

अर्द्धशतक शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम का प्रदर्शन अब तक हर क्षेत्र में काफी अच्छा रहा है जिसे वह बनाये वापसी चाहेंगी। कप्तान एलिया हिली की राफेसी से भी टीम का मनोबल बढ़ेगा। हिली ने इस टूर्नामेंट में काफी रन बनाये थे हालांकि फिट नहीं होने के कारण वह पिछले मैच से बाहर थीं।

रोहित पहली बार आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। रोहित पहली बार अपने करियर में नंबर एक पर पहुंचे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौर में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में सबसे अधिक रन बनाये हैं।



वहीं भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल तीसरे नंबर पर टिकसक गये हैं। रोहित के रेटिंग पॉइंट्स अब 781 हो गए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान के 764 रेटिंग अंक हैं। शुभमन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण पिछड़ गये हैं। शुभमन के अब 745 रेटिंग अंक हैं। वहीं चौथे स्थान पर पाकिस्तान के बाबर आजम के 739 रेटिंग अंक हैं। वहीं बिराट कोहली 725 रेटिंग अंक लेकर छठे स्थान पर हैं। 734 रेटिंग अंक लेकर छठे स्थान पर हैं। 734 रेटिंग अंक लेकर छठे स्थान पर हैं। 734 रेटिंग अंक लेकर छठे स्थान पर हैं।

वहीं भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल तीसरे नंबर पर टिकसक गये हैं। रोहित के रेटिंग पॉइंट्स अब 781 हो गए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान के 764 रेटिंग अंक हैं। शुभमन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण पिछड़ गये हैं। शुभमन के अब 745 रेटिंग अंक हैं। वहीं चौथे स्थान पर पाकिस्तान के बाबर आजम के 739 रेटिंग अंक हैं। वहीं बिराट कोहली 725 रेटिंग अंक लेकर छठे स्थान पर हैं। 734 रेटिंग अंक लेकर छठे स्थान पर हैं। 734 रेटिंग अंक लेकर छठे स्थान पर हैं।

दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोलवाडर्ट ने विश्व कप में बनाए सबसे ज्यादा 50 प्लस रन, मिताली राज की बराबरी की



गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवाडर्ट ने अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि हासिल की है क्योंकि उन्होंने महिला वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। मिताली का 2022 वनडे वर्ल्ड कप करियर का आखिरी टूर्नामेंट बनाया था और उन्होंने 50 ओवरों के वर्ल्ड कप में 13 बार 50 से ज्यादा रन बनाकर अपने करियर का अंत किया था। वोलवाडर्ट, जो एक नया बेंचमार्क बनाने के करीब थीं, उन्होंने अब बारसापारा स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के दौरान अपना 13वां 50+ स्कोर बनाकर इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इस 26 साल की खिलाड़ी ने मौजूदा 2025 महिला वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में तीन हाफ-सेन्चुरी बनाई और बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे नॉकआउट मैच में इस सीजन का अपना चौथा 50+ स्कोर बनाया। यह प्रोटेियाज बल्लेबाज मिताली राज के साथ इस खास लिस्ट में टॉप पर है जबकि डेवी हॉकले और शालीट एक्वडर्स 12 और 11 फिफ्टी प्लस स्कोर के साथ अगले दो स्थानों पर हैं।

पहला टी20 बारिश की भेंट चढ़ा, अब मेलबर्न में होगी अगली टक्कर

कैनबरा (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार को खेले जाने वाला पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया। मैच कैनबरा के मानुका ओवल मैदान में खेला जा रहा था, जहां बारिश ने दो बार खेल में बाधा डाली और अंततः मैच को रद्द करने का फैसला लेना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया था। भारत ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन 5 ओवर के बाद बारिश ने खेल रोक दिया। कुछ देर बाद मुकाबला दोबारा शुरू हुआ और ओवर्स घंटकर 18 कर दिए गए।

हालांकि, मैच फिर से 10वें ओवर के दौरान बारिश के कारण बाधित हुआ। लगातार तेज बारिश के चलते अंपायरों ने हालात का जायजा लेने के बाद मुकाबले को रद्द घोषित कर दिया।

जब खेल रोका गया, तब भारतीय टीम ने 9.4 ओवर में 97 रन पर एक



विकेट खो दिए थे। कप्तान सूर्यकुमार यादव (39 नाबाद) और शुभमन गिल (37 नाबाद) क्रीज पर मौजूद थे। भारत को एकमात्र झटका अभिषेक शर्मा (15 रन) के रूप में लगा, जिन्हें नाथन एलिस ने आउट किया। दोनों बल्लेबाजों ने बेहतरीन लय में बल्लेबाजी की और 62 रनों की

साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था। लेकिन मौसम ने मैच का रोमांच खत्म कर दिया। कैनबरा में लगातार होती बारिश के कारण आगे का खेल संभव नहीं हो सका और मैच बिना किसी परिणाम के समाप्त हुआ। इस तरह पांच मैचों की श्रृंखला में अब स्कोर 0-0 की

बराबरी पर है। अब दोनों टीमों 31 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) में होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। फैसला की उम्मीद है कि वहां मौसम साफ रहेगा और रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा।

बड़े मुकाबलों में भी निडर होकर खेलने वाली टीम बनाना चाहते हैं गंभीर



कैनबरा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने फैसलों के कारण हमेशा ही विवादों में रहे हैं। अब गंभीर ने कहा है कि उनका लक्ष्य सबसे सफल कोच बनना न होकर ऐसी टीम तैयार करना है जो बड़े मुकाबलों में निडर होकर खेले। गंभीर ने कहा, मेरी और कप्तान सूर्यकुमार यादव की पहली बातचीत में ही हमने तय कर लिया था कि हार का डर नहीं रखना है। मैं सबसे सफल नहीं, बल्कि सबसे निडर और आत्मविश्वास से भरी

टीम बनाना चाहता हूं। यहां तक कि एशिया कप फाइनल में भी भी मैंने खिलाड़ियों से कहा था कि डर के नहीं उतरें। बल्कि उनका रुख ऐसा होना चाहिये कि जितना बड़ा मैच हो उनका आक्रामक होकर उतरें। मुख्य कोच ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, सूर्या बेहतरीन ईंसान हैं और अच्छे ईंसान ही अच्छे लीडर बनते हैं। वह खिलाड़ियों को पूरी आजादी देते हैं। पिछले डेढ़ साल से उन्होंने ड्रेसिंग रूम में जबरदस्त

माहौल बनाए रखा है। गंभीर ने यह भी जोड़ा कि टीम का ध्यान जीत पर नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आजादी से खेलने पर रहता है। उन्होंने कहा, मैदान पर गलतियां होंगी, पर डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि डर हुए खिलाड़ी से विरोधी टीम को ही लाभ मिलता है। गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम ने एशिया कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है पर टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में करारी हार का भी सामना भी करना पड़ा।

सूर्यकुमार यादव ने रचा इतिहास, टी20 में ऐसा करने वाले मात्र दूसरे भारतीय बने

मेलबर्न(एजेंसी)। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 छक्के पूरे करते हुए इतिहास रच दिया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले रोहित शर्मा के बाद दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

पहले टी20 में सूर्यकुमार ने चौथे ओवर में अभिषेक शर्मा के आउट होने के बाद बल्लेबाजी संभाली और शुभमन गिल के साथ मिलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। उन्होंने जोश

हेजलवुड की गेंद पर पांचवें ओवर में पहला छक्का जड़ा, जबकि उनका 150वां छक्का नाथन एलिस के ओवर में आया। इसी के साथ उन्होंने अपने नाम एक नया कीर्तिमान दर्ज किया।

रोहित शर्मा के नाम फ्लिहाल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 205 छक्के हैं। सूर्यकुमार यादव अब उस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। हालांकि, रोहित को पीछे छोड़ने के लिए सूर्यकुमार को अभी लंबा सफर तय करना होगा।

इस उपलब्धि के साथ सूर्यकुमार ने निकालस पूरन और र्लेन मैक्सवेल को पछड़ते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में पांचवें सबसे

ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे आगे अब केवल रोहित शर्मा (205), मुहम्मद वसीम (187), मार्टिन गण्टिल (173) और जोस बटलर (172) हैं।

बारिश के कारण मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका और मुकाबला रद्द घोषित करना पड़ा। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों टीमों आगामी दूसरे टी20 मैच की तैयारी में जुट गई हैं, जो 31 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (स्ट्रक) में खेला जाएगा। टीम इंडिया को उम्मीद है कि सूर्यकुमार अपनी लय बरकरार रखेंगे और टीम को बढ़त दिलाएंगे।



अभिषेक भारतीय टीम के बड़े सितारे बनकर उभरेंगे : वलार्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल वलार्क ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तीनों ही प्रारूपों में खेल सकते हैं। वलार्क ने कहा कि टी20 से शुरुआत करने वाले अभिषेक का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से लगातार बेहतर होता आया है। इस पूर्व कप्तान ने कहा है कि अभिषेक आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट के एक बड़े सितारे बनकर उभरेंगे। अभिषेक की प्रशंसा करते हुए वलार्क ने कहा कि उसने आईपीएल में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वहीं अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने को साबित करना है। साथ ही कहा, वह बाएं हाथ थे सलामी बल्लेबाज हैं और उसके पास सभी प्रकार के शॉट्स हैं। मैं देखना चाहता हूं कि वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ पांच मैचों की इस सीरीज में किसी प्रकार का प्रदर्शन करते हैं। मुझे लगता है कि वह इस टी20 सीरीज के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बनकर उभरेंगे। अभिषेक ने अब तक 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 849 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने दो शतक और पांच अर्धशतक लगाये हैं। एशिया कप 2025 में वह टूर्नामेंट के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे और भारतीय टीम की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। जिसस प्रकार से वह खेल रहे हैं उन्हें शीघ्र ही एकदिवसीय प्रारूप में भी जगह मिल सकती है।



मैं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी का योगदान समझने की कोशिश कर रहा हूं: सुदर्शन

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट टीम में तीसरे क्रम पर अपनी जगह पक्की करने की ओर बढ़ रहे युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने कहा कि वह गेंदबाजों पर दबदबा बनाने के लिए इस बल्लेबाजी क्रम के लिए जरूरी रणनीति को सोच रहे हैं। यह खब्बू बल्लेबाज अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट की घरेलू श्रृंखला से पहले दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए के लिए दो (चार दिवसीय) मैचों में खेलेगा।

सुदर्शन ने यह दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच की पूर्व संस्था पर कहा, 'मैं तकनीकी रूप से अपने फुटवर्क में काफी सुधार कर रहा हूं। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं

समझ रहा हूं कि तीसरे नंबर के खिलाड़ी को टीम के लिए क्या करना होता है। मैं इस भूमिका को बेहतर ढंग से समझ रहा हूं और उसे लागू करने की कोशिश कर रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'इसमें ज्यादा तकनीकी अंतर नहीं है, क्योंकि मुझे लगता है कि यह रणनीतिक रूप से बेहतर होने के बारे में है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाज से एक कदम आगे रहने के लिए मजबूत रणनीति होना जरूरी है और मैं इस पर काम कर रहा हूं।' सुदर्शन ने कहा कि विरोधी टीम पर रणनीतिक बढ़त हासिल करना बेहद जरूरी है क्योंकि क्रिकेट के शीर्ष स्तर पर आपकी खामियां जल्दी उजागर हो जाती हैं।

उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आप जिसका (गेंदबाज) भी सामना करते हैं वह अपने देश का सर्वश्रेष्ठ होता है। ऐसे में अगर आपको बल्लेबाजी में कोई खामी है तो आप उसे उसके साथ ज्यादा दिन तक बने नहीं रह सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सब उन रणनीतिक सुधार पर निर्भर करता है जो आप किसी गेंदबाज की ताकत और कमजोरियों के अनुसार उसके खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। मुझे लगता है कि मैं अभी यही सीख रहा हूं, शायद मैं इसे और निखार रहा हूं और भारत के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने का सबसे अच्छा तरीका ढूंढ रहा हूं।'

पेरिस मास्टर्स : बाहर हुए विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज, कैमरन नॉरी ने पलटा मैच का रुख



पेरिस (एजेंसी)। विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज को पेरिस मास्टर्स 2025 के दूसरे दौर में बड़ा झटका लगा। ब्रिटेन के कैमरन नॉरी (रैंक 31) ने उन्हें तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-4 से हराकर बाहर कर दिया। इस हार के साथ अल्काराज का मास्टर्स 1000 में 17 मैचों का जीत का सिलसिला थम गया।

शीर्ष क्रीयता प्राप्त अल्काराज पूरे मैच के दौरान अपनी लय पाने के लिए जूझते रहे। उन्होंने 54 अनफोर्स्ड एरर किए और कोर्ट की परिस्थितियों से भी असहज नजर आए। दूसरे सेट के दौरान वे अपने कोच जुआन कार्लोस फरेरो से बार-बार बातचीत करते दिखाई दिए। जीत के बाद उसहाहित नॉरी ने कहा, 'यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। दुनिया के नंबर-1 और इस समय के

सबसे आत्मविश्वासी खिलाड़ी को हराया मेरे लिए अविश्वसनीय अनुभव है।' मैच के बाद अल्काराज ने कहा, 'भावनात्मक रूप से यह मेरे लिए साल के सबसे खराब मैचों में से एक था। भियामी में हार शारीरिक समस्या के कारण थी, लेकिन इस बार मुझे किसी भी पल गेंद का एहसास नहीं हो रहा था।'

ओलिंपिक रजत पदक विजेता अल्काराज के 11,340 अंक थे, जो अब घटकर 11,240 रह गए हैं। वहीं इटली के जैकिक स्मिर 10,510 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। लगातार 44 हफ्तों से नंबर-1 पर काबिज अल्काराज अब ट्यूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जहां उन्हें खोए हुए अंक वापस पाने का मौका मिलेगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप : पाकिस्तान के नाम वापिस लेने के बाद ओमान टूर्नामेंट में शामिल



स्पोटर्स डेस्क। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) को सूचित किया है कि वह तमिलनाडु में होने वाले हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 में भाग नहीं लेगा। पाकिस्तान ने पिछले वर्ष जूनियर एशिया कप में क्वालीफाई किया था, लेकिन अब उसके हटने के बाद ओमान को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शामिल किया गया है। यह प्रतियोगिता 28 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक भारत के चेन्नई और मदुरै में आयोजित होगी। ओमान को जूनियर एशिया कप 2024 में अगली सर्वोच्च स्थान वाली टीम होने के चाते इस टूर्नामेंट में जगह मिली है। पहली बार जूनियर हॉकी विश्व कप के पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 24-24 टीमों भाग लेंगी। यह एफआईएच की 'सशक्तिकरण और सहभागिता रणनीति' के तहत वैश्विक स्तर पर हॉकी की पहुंच बढ़ाने का प्रयास है। गौरतलब है कि जर्मनी ने 2023 में मलेशिया के कुआलालंपुर में हुए पिछले संस्करण का खिताब जीता था।

रियाल मैड्रिड के डिफेंडर डैनी कार्वाजल अब अगले साल ही वापसी करेंगे



मैड्रिड। रियाल मैड्रिड के डिफेंडर स्पेन के डैनी कार्वाजल चोटिल होने के कारण अब इस साल बचे हुए सत्र में नहीं खेल पाएंगे। कार्वाजल एफसी बार्सिलोना के खिलाफ हुए ला लीगा मैच में चोटिल हो गये थे। कार्वाजल के घुटने में चोट लगी है और उन्हें उससे उबरने में समय लगेगा। इस चोट के कारण अब वह अगले साल ही वापसी कर सकेंगे। रियाल मैड्रिड की मेडिकल टीम के अनुसार कार्वाजल की जांच मेंउनके दाहिने घुटने के जोड़ में एक हड्डी खिसक गयी है। इसलिए अब उनकी कहा आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी होगी। यह नई चोट स्पेन के इस खिलाड़ी के लिए एक बड़ा झटका है और इससे उनके अगले साल होने वाले विश्वकप में खेलने पर भी सवाल उठ रहे हैं। अगर वह तेजी से उबर जाते हैं तो भी इस साल उनके खेलने की संभावना नहीं है। इस दौरान टीम को 10 मैच उनके बिना ही खेलने होंगे। जिसमें ला लीगा के 7 और चैंपियंस लीग के तीन मैच शामिल हैं। वह पहले भी घुटने की चोट से परेशान रहे हैं। वह इससे पहले भी लिगामेंट फटने के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहे थे। वहीं मैड्रिड को अलेक्जेंडर-ार्नोल्ड के मासपेशियों की चोट से उबर जाने से राहत मिली है।

अगरकर के साथ विवाद नहीं : शमी

कोलकाता। भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से उनके विवाद की बातें सही नहीं हैं। शमी ने कहा कि उनके बयान को गलत समझा गया जिससे इस प्रकार की गलतफहमी पैदा हुई। यह विवाद तब शुरू हुआ जब अगरकर ने कहा था कि उन्हें शमी की फिटनेस की जानकारी नहीं है। वहीं शमी ने मीडिया से कहा था कि जब वह रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं तो इसका मतलब फिट होगे ही। इसी के बाद से ही कहा जा रहा था कि चयनसमिति उनकी बयानबाजी से नाराज है। शमी ने रणजी ट्रॉफी 2025 में बंगाल की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने आलोचकों और करा जवाब दिया है। गुजरात के खिलाफ शमी ने आठ विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इसी के बाद शमी ने कहा कि मैं हमेशा किसी न किसी विवाद में आ जाता है जबकि मेरा ध्यान खेल पर है। हर खिलाड़ी देश के लिए खेलना चाहता है,



और मैं भी वहीं चाहता हूं। मेरा काम है फिट रहना और प्रदर्शन करना। बाकि काम चयनसमिति का है। शमी ने चोट से वापसी के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के खिलाफ उन्होंने अपनी फिटनेस और लय दोनों साबित की। फर्स्ट-क्लास करियर में 13वीं बार उन्होंने पांच विकेट लिए हैं। रणजी सीजन में अब तक उन्होंने चार पारियों में 15 विकेट लिए हैं, औसत सिर्फ 10.46 का। वहीं बंगाल के कोच लक्ष्मी रतन श्रुवला ने कहा, 'मोहम्मद शमी को किसी से फिटनेस सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। उनकी गेंदबाजी ही उनका प्रमाण है। वे पूरी तरह फिट और शानदार लय में हैं।'



हनीमून ट्रिप के लिए बेस्ट लोकेशन, कम खर्च में मिलेगा सुकून

भारत में कई ऐसी जगहें हैं, जोकि हनीमून ट्रिप प्लान करने के लिए खास मानी जाती है। इस जगहों पर आपको मौसम भी ठंडा मिलेगा और खर्च भी अधिक नहीं होगा। ऐसे में आज हम आपको हनीमून प्लान करने के लिए कुछ अच्छी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनीमून ट्रिप का प्लान करने के लिए कपल्स ऐसी जगह की तलाश करते हैं, जोकि कम बजट होने के साथ भीड़भाड़ भी कम हो। बजट में ट्रिप प्लान करने वाले लोगों को लोकेशन के साथ खर्चों का भी ध्यान रखना होता है। यही कारण है कि लोग ट्रिप प्लान करने से पहले बार-बार लोकेशन पर विचार करते हैं। हालांकि भारत में कई ऐसी जगहें हैं, जोकि हनीमून ट्रिप प्लान करने के लिए खास मानी जाती है। इस जगहों पर आपको मौसम भी ठंडा मिलेगा और खर्च भी अधिक नहीं होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनीमून प्लान करने के लिए कुछ अच्छी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मसूरी



मसूरी में 4 दिन का ट्रिप आप 20 हजार में आराम से पूरा कर सकते हैं। खूबसूरत होने के साथ यहां का मौसम भी ठंडा रहता है। इस जगह की खासियत यह है कि आपको यहां पर हम मौसम में कम भीड़ देखने को मिलेगी। यह उत्तराखंड का बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। आप कम बजट में किसी पहाड़ी जगह पर हनीमून प्लान करने की सोच रहे हैं, तो आपको मसूरी आने का प्लान बनाना चाहिए।

नैनीताल

नैनीताल उत्तराखंड का एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यहां पर भी आपका ज्यादा खर्च नहीं होने वाला है। इस जगह की खासियत यह है कि यह एक रोमांटिक हिल स्टेशन माना जाता है। अगर आप कम बजट में पहाड़ों, झीलों और शांत वातावरण में हनीमून मनाने का प्लान कर रहे हैं, तो नैनीताल यकीनन बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। 20 हजार के अंदर ट्रिप प्लान करने वाले कपल्स यहां आ सकते हैं।

लैंसडाउन और धनोली

बता दें कि यह दोनों ऐसी जगहें हैं, जहां पर आपको अधिक पर्यटकों की भीड़ देखने को नहीं मिलेगी। इसलिए यह जगह हनीमून ट्रिप के लिए आपको जरूर पसंद आएगी। इन दोनों ही जगहों पर ज्यादा पर्यटक नहीं होते हैं, इसलिए यहां पर आपको होटल आदि भी सस्ते में मिल जाएंगे। आप 4-5 दिन का ट्रिप 20 हजार में आराम से पूरा कर सकते हैं। वहीं अगर आप पार्टनर के साथ सुकून और रोमांटिक पल बिताना चाहते हैं, तो आप यहां पर आने का प्लान बना सकते हैं।



“असम राज्य गुवाहाटी और कामाख्या मंदिर जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल के लिए पूरे देश में फेमस है। ऐसे में आज हम आपको असम के चाय बागानों के बीच में स्थित सरलपारा के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी सरलपारा की खूबसूरती देख झूम उठेंगे।

जब भी नॉर्थ ईस्ट इंडिया में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले असम का नाम लेते हैं। यह एक खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक माना जाता है। असम पूर्वोत्तर भारत में स्थित प्राकृतिक सुंदरता, चाय बागानों और जैवविविधता का खजाना है। असम बांग्लादेश और भूटान दोनों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को साझा करता है। असम राज्य गुवाहाटी और कामाख्या मंदिर जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल के लिए पूरे देश में फेमस है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको असम के चाय बागानों के बीच में स्थित सरलपारा के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी सरलपारा की खूबसूरती देख झूम उठेंगे।

असम में सरलपारा

असम के कोकराझार जिले में सरलपारा पड़ता है। यह कोकराझार मुख्य शहर से करीब 56 किमी दूर है। यह असम की एक ऐसी जगह है, जो भूटान की सीमा के पास स्थित है। यह जगह पर्यटकों के बीच खासी लोकप्रिय है।

सरलपारा गुवाहाटी से करीब 237

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है सरलपारा गांव, खूबसूरती देख झूम उठेंगे



किमी दूर है। वहीं बोंगाईगांव से करीब 58 किमी और पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार से करीब 122 किमी की दूरी पर है।

क्यों फेमस है सरलपारा

भूटान सीमा के पास में स्थित सरलपारा असम का सबसे फेमस और खूबसूरत पिकनिक स्पॉट है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़, झरना और घाटियां खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती हैं। यहां पर आसपास कई खूबसूरत चाय के बागान भी हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

यह जगह अपने शुद्ध और शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है। सरलपारा अपने लुभावने सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्यों के लिए भी फेमस है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है।

यहां पर मौजूद घास के मैदान और मैदान के बीच बहने वाली नदी पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती हैं। सरलपारा में आपको कई किस्म के फूल भी देखने को मिलेंगे।

SARALPARA - INDIA BHUTAN BORDER



पर्यटकों के लिए खास

सरलपारा पर्यटकों के बीच पिकनिक स्पॉट के रूप में फेमस है। यहां पर सिर्फ स्थानीय लोग ही नहीं बल्कि असम के दूर-दराज परिवार के साथ भी पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं। वहीं वीकेंड पर भारी संख्या में लोग फैमिली के साथ आते हैं। लोग यहां पर अपने परिवार, दोस्तों और प्रियजनों के साथ कालिटी टाइम स्पेंड करने पहुंचते हैं। सरलपारा पर्यटकों के बीच एडवेंचर स्पॉट के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर लोग हाइकिंग, ट्रेकिंग और कैपिंग का शानदार लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा यहां पर आप यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

आसपास घूमने वाली जगहें

बता दें कि यहां के आसपास कई ऐसी मनमोहक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जिसकी खूबसूरती आपको मोहित कर सकती हैं। इसके लिए आप यहां पर बोरनोखोरी गांव, बेटीया जंगल, टी गार्डन और गौरांग नदी जैसी खूबसूरत जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं।

त्योहारों की थकान मिटाएं, इन 3 शांत जगहों पर पाएं अद्भुत सुकून

त्योहारों के बाद की थकान और अशांत मन को शांत करने के लिए यह लेख पोस्ट-फेस्टिव वीकेंड पर घूमने के लिए 3 शांत जगहों की सलाह देता है। ऊटी, नैनीताल और ऋषिकेश जैसे ये स्थल प्रकृति, रोमांच और आध्यात्मिक सुकून का अनूठा मिश्रण पेश करते हैं, जो कम बजट में भी मन को ताजगी और आनंद से भर देंगे।

त्योहार के बाद थकान काफी हो जाती



ऊटी, तमिलनाडु

अगर आप दक्षिण भारत की तरफ जाना चाहते हैं, तो साउथ की सबसे बेस्ट जगह ऊटी जा सकते हैं। यहां पर चाय बगान काफी सुंदर देखने को मिलेंगे। इस मौसम में यह हिल स्टेशन अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए

है। ऊपर से मन भी अशांत हो जाता है। अगर आप भी खुद को रिलैक्स करना चाहते हैं, तो आप त्योहार के बाद वीकेंड पर घूमने का प्लान बना सकते हैं। मन को शांत करने और सुकून वाली जगहों की तलाश है, तो आप इन 3 जगहों पर जरूर जाएं। यहां जाकर आप थकान और चिंता सब भूल जाएंगे और शरीर को भी रिलैक्स पाएंगे। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पोस्ट-फेस्टिव वीकेंड ट्रिप प्लान के लिए कुछ सुकून वाली जगहों के बारे में बताएंगे।

नैनीताल, उत्तराखंड

शांति और सुकून वाली जगहों की तलाश कर रहे हैं, तो आप नैनीताल घूमने जरूर जाएं। यहां की खूबसूरत झील, हरियाली और पहाड़ी रास्तों के लिए फेमस माना जाता है। आप यहां पर झील किनारे घंटों बैठ सकते हैं और बोट राइडिंग का मजा भी ले सकते हैं। झील के पास नैचुरल वॉक करना और घोड़े की सवारी करना आपकी ट्रिप को शानदार बना देगा। यहां पर खूबसूरत झरनों का मजा ले सकते हैं। दोस्तों या परिवार के साथ मनाएं ट्रिप।

ऋषिकेश, उत्तराखंड

देश की सबसे शांत और सुकून वाली जगह है ऋषिकेश है। यहां पर कितनी भीड़ क्यो न हो, जब आप गंगा किनारे बैठेंगे तो सुकून ही पाएंगे। आप कम बजट में ऋषिकेश घूमने जा सकते हैं।



यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटीज कर सकते हैं। बंजी जंपिंग, रिवर राफ्टिंग, बोट राइडिंग और ट्रेकिंग कर सकते हैं। इतना ही नहीं, यहां पर आप गंगा आरती

लाइव देख सकते हैं। ऋषिकेश में कई फेमस जगहें जहां आप जा सकते हैं जैसे कि परमार्थ निकेतन, त्रिवेणी घाट और नीलकंठ मंदिर देखने जा सकते हैं।



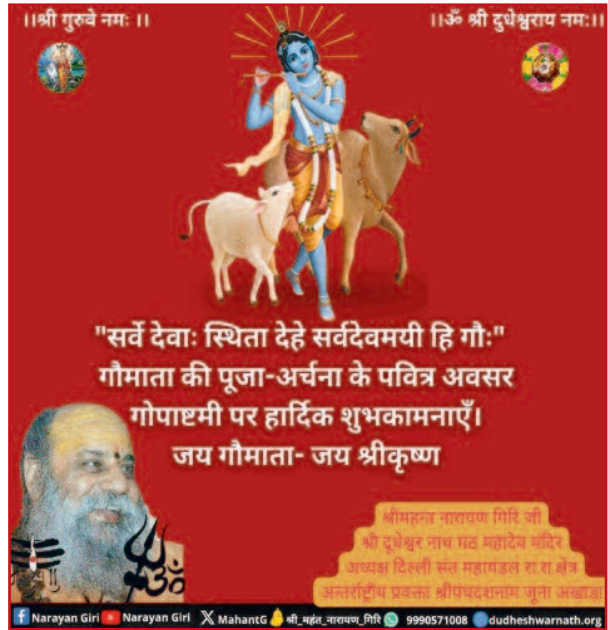


गोपाष्टमी पर्व पर श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में भगवान कृष्ण व गौमाता की विशेष पूजा-अर्चना होगी

महाराजश्री ने बताया कि गौमाता को स्नान कराकर उनका विशेष श्रृंगार किया जाएगा

दृष्टि सागर

गाजियाबाद। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर, जून अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली संत मंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि गोपाष्टमी का पर्व गुरुवार, 30 अक्टूबर को मनाया जाएगा। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में गोपाष्टमी पर्व पर भगवान कृष्ण व गौमाता की विशेष पूजा-अर्चना होगी। महाराजश्री ने बताया कि कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला गोपाष्टमी पर्व अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस दिन गोमाता की पूजा करने से भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त होती है। गोपाष्टमी का महत्व पद्म पुराण और भागवत पुराण में विस्तार से बताया गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन ही पहली बार चारण का कार्य संभाला था। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों की रक्षा



है। भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन ही पहली बार चारण का कार्य संभाला था। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों की रक्षा

के लिए गोवर्धन पर्वत अपनी छोटी अंगुली पर सात दिन तक उठाकर रखा था। आठवें दिन गोपाष्टमी पर ही इंद्र ने अपनी हार स्वीकार करते हुए भगवान से अपनी गलती की क्षमा मांगी थी। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि गोपाष्टमी के दिन गोमाता व बछड़ों को स्नान कराकर उनका विशेष श्रृंगार किया जाता है। रंगीली-चंदन से टीका कर उनकी पूजा-अर्चना की जाती है और उन्हें अपने हाथों से भोजन कराया जाता है। गोपाष्टमी पर भगवान की पूजा करना अत्यधिक पुण्यकारी माना गया है। गोपाष्टमी पर्व पर प्रातः स्नान कर पूजा स्थल को साफ करके गाय के गोबर, फूल, दीपक और रंगोली से सजाएं। भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापित कर

उन्हें स्नान कराएं, वस्त्र और आभूषण पहनाकर हल्दी, कुमकुम और फूलों की माला चढ़ाएं। उनकी भव्य आरती करें। ऐसा करने से भगवान श्रीकृष्ण की पूजा से विशेष कृपा प्राप्त होती है। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के मीडिया प्रभारी एस.आर. सुथार ने बताया कि मंदिर में गुरुवार को महाराजश्री के पावन सान्निध्य में गोपाला में सभी गौमाताओं व बछड़ों को स्नान कराकर उनका विशेष श्रृंगार किया जाएगा। गौमाता की पूजा-अर्चना कर आरती की जाएगी। पूजा-अर्चना मंदिर एवं श्री दूधेश्वर वेद विद्या संस्थान के आचार्य विधि-विधान के अनुसार कराएंगे। गौमाता को हरा चारा, गुड़, चना आदि के साथ कई प्रकार के व्यंजनों का भोग भी लगाया जाएगा।

अन्नदाता हमारे देश की आर्थिक रीढ़: चौ नीरपाल



दृष्टि सागर

सहारनपुर। राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ नीरपाल सिंह ने कहा कि सरकार ने गन्ने का समर्थन मूल्य 30 रुपए बढ़ाकर किसानों की थोड़ी मिठास बढ़ाई। हकीकत नगर कैप कार्यालय पर बैठक में चौ नीरपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाताओं को उम्मीद थी कि इस पेराई सत्र में गन्ने का समर्थन मूल्य योगी सरकार कम से कम 50 रुपए कुंतल बढ़ाएगी लेकिन मात्र 30 रुपए बढ़ाकर कुछ मिठास बढ़ाई है सरकार को अन्नदाताओं का ख्याल रखना चाहिए, किसान देश की आर्थिक रीढ़ है जिसके बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हम योगी सरकार का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने 30 रुपए कुंतल मूल्य बढ़ाया, साथ साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से



अनुरोध है कि कम से कम 50 रुपए बढ़ाए जाने चाहिए। बैठक में खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रिकु सोनकर, महानगर अध्यक्ष चौ अरविन्द मलिक, यासीन मलिक, मनोज कुमार, आरिफ मलिक, राजीव चौधरी उपस्थित रहे।

स्वदेशी स्वावलंबी भारत अभियान देश को विश्व में सर्वोपरि स्थान दिलाएगा: अशोक कुमार गोयल



दृष्टि सागर

गाजियाबाद। देश विश्व में सशक्त स्वाधिमानी और समृद्ध भारत की दिशा में आगे बढ़ चुका है। 11 वर्ष पूर्व लिया स्वदेशी उत्पादन बढ़ा कर गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद विश्व में मेक इन इंडिया की पहचान के साथ निर्यात करने का जो संकल्प लिया गया वह अब साकार हो रहा है। रक्षा के क्षेत्र में हम बड़े नैतिक देश के रूप में सामने आए हैं। हमारे आकाश, ब्रह्मस तेजस आदि की क्षमता को विश्व समुदाय सराह रहा है। प्रगति जारी है। भारत में बनी श्रेष्ठ वस्तुएं हम विश्व को निर्यात कर रहे हैं। भारतीय 140 करोड़ जनसंख्या के बाजारों की क्रय

शक्ति विश्व के उत्पादकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। देश में 9 करोड़ से अधिक छोटे बड़े दुकानदार एवं लघु उद्यमी भारत की विकेंद्रीकृत अर्थ व्यवस्था के प्रमुख सहयोगी हैं। भारतीय बाजारों में विदेशी मूल की वस्तुओं के स्थान पर भारतीय मजदूरों के खून पसीने से बनी वस्तुओं का ही उपयोग बढ़ने से भारत विश्व में सर्वश्रेष्ठ अर्थ व्यवस्था वाले राष्ट्र के नव निर्माण के पथ पर बढ़ेगा। हमारे देश एवं प्रदेश के नेतृत्व ने स्वदेशी तंत्र का संदेश जन जन तक पहुंचाने का आवाहन किया है। स्वदेशी जागरण मंच ने स्वदेशी स्वावलंबी भारत अभियान पूरे देश

में शुरू किया है। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सुनील सिंघी जी द्वारा देश के विभिन्न भागों में व्यापारियों के बीच बड़े सम्मेलनों में स्वदेशी के उपयोग की शपथ दिलाने का कार्य किया है। व्यापारी संगठन भी इस अभियान में देश के साथ है व्यापारी सुरक्षा फॉर्म संस्थान के माध्यम से अनेकों स्थानों पर बड़े कार्यक्रम काके व्यापारियों के मध्य जन जागरण का कार्य हमने किया है। कुछ समय पहले स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित व्यापारी जुटान कार्यक्रम नागपुर में आयोजित किया गया जिसमें देश के अधिकांश व्यापारी संगठनों ने इस पुनीत कार्य में योगदान देते हुए स्वदेशी स्वावलंबी भारत अभियान को आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। उत्तर प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर स्वदेशी वस्तुओं की लोकप्रियता बढ़ाने में उनकी पहचान कायम करने के

लिए स्वदेशी मेलों का आयोजन किया जा रहा है उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में स्वदेशी उत्पादन बढ़ाने के लिए उसे जिले की धरोहर वस्तुओं को उत्पादित करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है। साथियों समय का तकाजा है कि सशक्त आत्म निर्भर सर्वोपरि भारत के नव निर्माण में हम कारोबारी स्वदेशी वस्तुओं की पहचान उनके उपयोग का महत्व अपने संपर्क एवं संवाद क्षमता के आधार पर जन जन में प्रचारित करें। अमेरिका एवं अन्य देश जो भारत की बढ़ती वैश्विक लोकप्रियता एवं समृद्धि नहीं चाहते उनका उन्हीं की भाषा में हम जवाब दे रहे हैं। आओ सभी व्यापारी संगठन राष्ट्र के प्रति कर्तव्य निर्वहन करते हुए स्वदेशी जागरण मंच के साथ नए विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने हेतु आगे बढ़ें। अशोक कुमार गोयल निवर्तमान उपाध्यक्ष व्यापारी कल्याण बोर्ड उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय संयोजक व्यापारी सुरक्षा फॉर्म संस्थान रजिस्टर्ड



मोदी-योगी सरकार किसानों की सच्ची हितैषी: मयंक गोयल

दृष्टि सागर

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, किसान मोर्चा के महानगर अध्यक्ष पंकज भारद्वाज एवं भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने एक संयुक्त वक्तव्य जारी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा किसानों के हित में की गई हाल की ऐतिहासिक घोषणाओं के लिए आभार व्यक्त किया है। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का किसान आज आत्मनिर्भर भारत का सशक्त आधार बन चुका है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा कृषि उपजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में की गई वृद्धि और किसान सम्मान निधि की नई किस्त जारी करने की घोषणा यह सिद्ध करती है कि मोदी सरकार किसानों की खुशहाली के लिए पूर्णतः समर्पित है। उन्होंने कहा कि ह्यमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों के हित में जो ऐतिहासिक निर्णय



लिया है, वह अभूतपूर्व है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025-26 के पेराई सत्र हेतु गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति कुंतल की वृद्धि की है, जिससे अब अग्रेती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 400 प्रति रुपये कुंतल और सामान्य प्रजाति का मूल्य 390 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। मयंक गोयल ने आगे कहा कि इस निर्णय से प्रदेश के लाखों गन्ना किसानों को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान प्राप्त होगा। यह निर्णय इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार किसान की मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसान मोर्चा महानगर अध्यक्ष पंकज भारद्वाज ने कहा कि योगी सरकार ने गन्ना उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के माध्यम से पिछले कुछ वर्षों में

जो ऐतिहासिक कार्य किए हैं, वे किसी क्रांति से कम नहीं हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 42 चीनी मिलों की क्षमता में वृद्धि, 8 नई चीनी मिलों की स्थापना, तथा 6 बंद मिलों का पुनः संचालन किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि ह्यगन्ना किसानों को रिकॉर्ड भुगतान कराया गया है। वर्ष 2007 से 2017 तक 1,47,000 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ था, जबकि वर्ष 2017 से अब तक लगभग 2,90,000 करोड़ रुपये का भुगतान कराया गया — जो पिछले दस वर्षों की तुलना में 1,42,000 करोड़ रुपये अधिक है। यह रिकॉर्ड योगी सरकार की पारदर्शिता और किसानों के प्रति संवेदनशीलता का परिणाम है। भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने कहा कि उत्तर

प्रदेश अब देश में एथेनॉल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2017 में जहाँ 61 एथेनॉल आसवनीयों थीं, वहीं वर्ष 2025 तक उनकी संख्या 97 तक पहुँच गई है। एथेनॉल उत्पादन 41.28 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर तक पहुँचना यह दशार्ता है कि भाजपा सरकार न केवल गन्ना उत्पादक किसान का हित देख रही है, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि ह्ययोगी सरकार ने किसानों को केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्मातों के रूप में सम्मानित किया है। भाजपा सरकार का लक्ष्य है — किसान समृद्ध तो राष्ट्र शक्तिशाली। भाजपा नेताओं ने कहा कि मोदी और योगी सरकार ने मिलकर यह सिद्ध किया है कि ह्यजन्य जवान, जय किसान ह्य केवल नारा नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की नीति और नीयत दोनों हैं। आज जब देश का किसान आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, तब भाजपा सरकार उसके हर संघर्ष और हर सफलता में उसके साथ खड़ी है।

रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद साउथ एंड का चार्टर डे समारोह धूमधाम से सम्पन्न



दृष्टि सागर

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद साउथ एंड का चार्टर डे समारोह आज दिनांक 29 अक्टूबर 2025 को बिकानेरवाला रेस्टोरेंट, आर.डी.सी., राजनगर, गाजियाबाद में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटरी पास्ट गवर्नर रोटेरियन मुकेश अनेजा जी रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में रोटरी के उद्देश्य और सेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ह्यरोटरी पिन पहनना अपने आप में गर्व और जिम्मेदारी का प्रतीक है। ह्यउन्होंने सभी क्लब सदस्यों को क्लब के चार्टर डे की हार्दिक बधाई दी। विशिष्ट अतिथि रोटेरियन संजय अग्रवाल, सहायक गवर्नर ने क्लब द्वारा किए जा रहे समाजसेवी कार्यों की सराहना करते हुए क्लब के

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन प्रवीण अग्रवाल एवं रोटेरियन विनीता अग्रवाल ने सभी अतिथियों और विशेष रूप से क्लब के सभी पूर्व अध्यक्षों का स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन क्लब सचिव रोटेरियन डॉ. आलोक गोयल ने किया। पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अरुण अग्रवाल ने बताया कि क्लब द्वारा निरंतर समाजसेवा के कार्य किए जा रहे हैं तथा मैक्स हॉस्पिटल, इन्द्रापुरम के सहयोग से नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रोटेरियन प्रमोद चौधरी, रोटेरियन रामवीर सिंह, रोटेरियन अरुण अग्रवाल एवं रोटेरियन अर्चना अग्रवाल, रोटेरियन सुमित गर्ग एवं रोटेरियन

रेनु गर्ग, रोटेरियन मुकेश गोयल (रैमंड्स) एवं रोटेरियन मीनाक्षी गोयल, रोटेरियन मुकेश गोयल (वीनस) एवं रोटेरियन मनोषा गोयल, रोटेरियन डॉ. नीरज गर्ग एवं रोटेरियन डॉ. मंजू गर्ग, रोटेरियन जय कुमार अग्रवाल एवं रोटेरियन मीनू अग्रवाल, रोटेरियन गिरिश पुरी एवं रोटेरियन नीरू पुरी, रोटेरियन मनोष अग्रवाल एवं रोटेरियन स्वीटी अग्रवाल, रोटेरियन मोहिंदर सिंह एवं रोटेरियन रणवीर कौर, रोटेरियन मुनिश अग्रवाल, रोटेरियन एच. के. त्यागी एवं रोटेरियन भावना त्यागी, रोटेरियन जानेंद्र सिंह, रोटेरियन आदित्य गुप्ता एवं रोटेरियन निर्मल गोयल एवं रोटेरियन रूपा गोयल, रोटेरियन अजय मित्तल एवं रोटेरियन पुनित मित्तल, रोटेरियन अनुज मित्तल

एवं रोटेरियन अनु मित्तल, रोटेरियन नीरज गर्ग (उर्वशी) एवं रोटेरियन सीमा गर्ग, रोटेरियन राजीव कंसल एवं रोटेरियन आशु कंसल, रोटेरियन शिव कुमार गोयल एवं रोटेरियन नीलम गोयल, रोटेरियन पंकज गर्ग एवं रोटेरियन रुचि गर्ग, रोटेरियन अमित अग्रवाल एवं रोटेरियन सिम्मी अग्रवाल, रोटेरियन पंकज शर्मा एवं रोटेरियन पुष्पा शर्मा, रोटेरियन मोहित गोयल एवं रोटेरियन खुशबू गोयल, रोटेरियन सचिन गोयल एवं रोटेरियन प्रीति गोयल, रोटेरियन संदीप गुप्ता एवं रोटेरियन भावना गुप्ता, रोटेरियन राजेश चौहान, रोटेरियन प्रवीण अग्रवाल एवं रोटेरियन विनीता अग्रवाल व रोटेरियन डॉ. आलोक गोयल एवं रोटेरियन नीतू अग्रवाल ने शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

पंडित अशोक भारतीय ने विधायक संजीव शर्मा से मिलकर टैक्स वृद्धि पर जताया विरोध

दृष्टि सागर

गाजियाबाद। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भाजपा नेता पंडित अशोक भारतीय ने दिनांक 29 अक्टूबर 2025 दिन बुधवार को प्रातः 11:00 बजे गाजियाबाद से यशस्वी विधायक संजीव शर्मा से उनके निवास पर मुलाकात करते हुए गाजियाबाद नगर निगम द्वारा



अनावश्यक वृद्धि की निंदा करते हुए और टैक्स की बेहतरीन वृद्धि को रोकने की मांग की तथा जनता को हाउस टैक्स के मुद्दे पर राहत दिलाने की अपील की। इस अवसर पर विधायक संजीव शर्मा ने हाउस टैक्स की समस्या पर माननीय मुख्यमंत्री जी को अवगत कराकर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया।

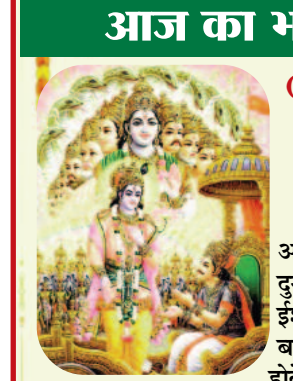
अभिशाप बनता कूड़ा कचरा

दृष्टि सागर

गाजियाबाद। जिधर दृष्टि डालो उधर कूड़े के ढेर नजर आ जाते हैं। साफ सफाई भी खूब हो रही लेकिन कूड़ा कम होने का नाम ही नहीं ले रहा। गली में कूड़ा, सड़क में कूड़ा, फुटपाथ में कूड़ा, स्कूल में कूड़ा, मंदिर में कूड़ा, ऑफिस में कूड़ा, घर में कूड़ा अर्थात कूड़ा भी सर्वशक्तिमान सर्वविघ्नमान हो गया। ऐसा नहीं कि आज से पहले कूड़ा नहीं था जरूर था पर उसकी मात्रा आज के कूड़े के पांचवें हिस्से से भी कम होती थी दूसरा उस समय के कूड़े में प्लास्टिक व अन्य रासायनिक कूड़े की मात्रा का के बराबर होती थीं अतः वह आसानी से सड़ गल जाता था लेकिन आज के कूड़े कचरे में पचास प्रतिशत से भी ज्यादा कूड़ा कचरा प्लास्टिक मिश्रित है जो या तो गलता और नष्ट नहीं होता या फिर गलने और पुनः मिट्टी में परिवर्तित होने में बीस बीस साल भी ले लेता है। पहचान ना बताने की शर्त पर एक नगर निगम के बड़े अधिकारी ने

बताया कि आज कूड़े का निस्तारण हर शहर की एक बहुत बड़ी समस्या है क्योंकि एक तो कूड़े की मात्रा बहुत होती है दूसरे कूड़े के डालने की जगह की कमी भी है क्योंकि हर शहर के वर्तमान कूड़ा डलवा घर की क्षमता बहुत समय से खत्म है। निगम जहाँ भी कोई नई जगह कूड़े के निस्तारण के लिए चिन्हित करते हैं वहीं विरोध का बड़ा आंदोलन खड़ा हो जाता है और सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़ते हैं। यहीं कारण है कि हर एक शहर के वर्तमान कूड़ा घरों पर उनकी क्षमता समाप्त हो जाने के बाद भी कूड़ा डाला जा रहा फिर चाहे वो दिल्ली हो, मुंबई हो कोलकाता, गाजियाबाद, मेरठ कानपुर या अन्य बड़े शहर। साथ ही साथ इन खतरनाक कूड़े के ढेरों से निकलने वाली जहरीली गैसें आस पास में बसें लोगों को तिल तिल कर मरने को मजबूर करेंगी। अभी से हर कोई विचार करे कि घर से निकलने वाले कूड़े की मात्रा कैसे कम हो।

आज का भगवद संदेश



(गोपाष्टमी एवं मासिक दुर्गाष्टमी विशेष दिवस)
'धर्म का सार सेवा में है, और सेवा का सार करुणा में'

— श्रीमद्भागवत महापुराण
आज की गोपाष्टमी और मासिक दुर्गाष्टमी हमें यह सिखाती हैं कि ईश्वर केवल आराधना से नहीं, बल्कि सेवा और करुणा से प्रसन्न होते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने आज ही

के दिन गौसेवा का कार्य आरंभ किया था, और माँ दुर्गा ने इसी तिथि में भक्तों को शक्ति एवं रक्षा का वरदान दिया था।
संदेश का सार:- गोमाता की सेवा, प्रकृति की रक्षा और प्राणी मात्र के प्रति दया ही सच्ची भक्ति है। माँ दुर्गा और श्रीकृष्ण दोनों ही हमें कर्तव्य में निष्ठा और जीवन में पवित्रता सिखाते हैं। जब हम निस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं, तब हमारा हृदय स्वयं मंदिर बन जाता है।

आज का प्रेरक विचार:- जहाँ करुणा है, वहीं कृपा है, जहाँ सेवा है, वहीं भगवान का साक्षात् निवास है। अतः आज के दिन- गोसेवा करें, मातृशक्ति का स्मरण करें, और अपने भीतर दया का दीप प्रज्वलित करें। क्योंकि सेवा ही साधना है, और करुणा ही ईश्वर का स्वरूप।



पंडित प्रमोद शर्मा
धर्म प्रचारक एवं समाज सेवी

सम्पर्क सूत्र - 99714 99227